RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, सोमवार ●18 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक- 320 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

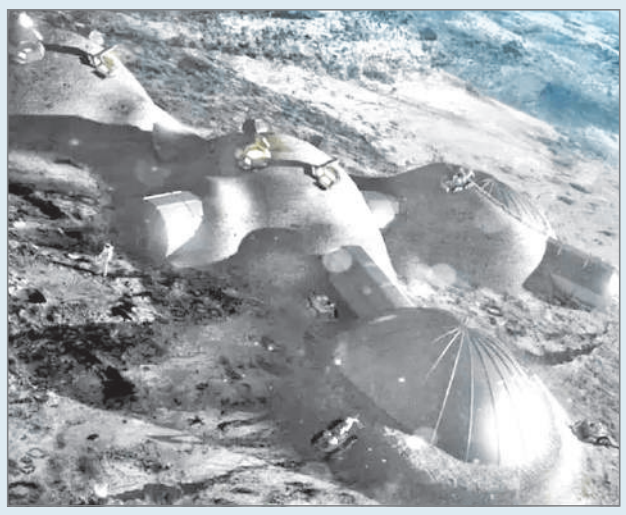

चांद पर बसेगी बस्ती जहां से अंतरिक्ष में जाएंगे इंसान

नासा ने तैयार कर लिया है पूरा प्लान, साइंटिस्ट ने किया खुलासा

लंदन (एजेंसी)। सभ्यता की शुरुआत के साथ ही इंसान अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक रहा है। ये अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने की चाह ही थी, जिसने इंसान को चांद तक पहुंचा दिया। लेकिन इंसान भले ही चांद तक पहुंच गया है, वैज्ञानिकों की दिलचस्पी आज भी चंद्रमा में कम नहीं हुई है। यही नहीं अंतरिक्ष की खोज में अब चंद्रमा इतना खास होने जा रहा है कि वैज्ञानिक अब वहां बेस बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने तो इसके लिए पूरी योजना तैयार कर ली है। ब्रिटिश अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. मैगी एडरिन-पोकॉक ने चंद्रमा पर बेस के महत्व के साथ ही नासा की आर्टेमिस परियोजना और चंद्रमा पर बेस की योजना के बारे में विस्तार से बताया है। हमारे सौरमंडल में धरती के सबसे करीब कोई पिंड है तो वह चंद्रमा ही है। दरअसल, सौर मंडल के दूसरे हिस्से में अगर कोई मिशन भेजा जाना है तो उसकी दूरी बहुत बढ़ जाएगी, ऐसे में मिशन की सफलता की सबसे अच्छी उम्मीद इस बात पर होगी कि सीधे पृथ्वी से जाने के बजाय बीच में कोई ऐसा बेस हो जहां से मिशन को लॉन्च किया जाए और वापस वहां सुरक्षित लौटा जा सके। इस काम के लिए चंद्रमा से बेहतर कोई जगह नहीं है। यही वजह है नासा की चांद पर एक बार फिर दिलचस्पी जागी है। नासा का आर्टेमिस मिशन के जरिए 50 साल के बाद पहली बार लोगों को चंद्रमा पर भेज रहा है। डॉ. मैगी एडरिन पोकॉक ने यूएनआईएलडी से बातचीत करते हुए बताया कि नासा का आर्टेमिस मिशन इंसान को चांद पर भेज रहा है, लेकिन इसका असल उद्देश्य चंद्रमा को एक स्टेजिंग पोस्ट के रूप में इस्तेमाल करना है। नासा ने खुद ही कहा है कि प्रोजेक्ट का उद्देश्य ये समझने की कोशिश होगा कि इंसान धरती से बाहर कैसे रह सकते हैं और इस विशाल नीले ग्रह से दूर मानव बस्ती कैसे बसाई जा सकती है। एडरिन ने आगे कहा, चूंकि चंद्रमा पृथ्वी ग्रह से छोटा है, इसलिए इसमें गुरुत्वाकर्षण कम है।

संक्षिप्त समाचार

पटवारी बोले-मंगलवार को आएगी कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट

भोपाल। कांग्रेस के मध्यप्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, हम दो दिन में एमपी की बची हुई सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित कर देंगे। उन्होंने यह बात रविवार सुबह अपने सरकारी आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। उन्होंने कहा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज औपचारिक तौर पर मुंबई में खत्म हो गई है। कांग्रेस के तमाम नेता इस यात्रा से फ्री हो जाएंगे। पार्टी आलाकमान ने निर्देश दिए हैं कि जिन सीटों पर उम्मीदवार घोषित होने हैं, उनको लेकर स्टेट टीम और स्क्रीनिंग कमेटी के साथ चर्चा कर सिंगल नाम फाइनल कर लें। इससे पहले पटवारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पार्टी के प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ चर्चा की।

चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स की नई डिटेल की अपलोड

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से शनिवार को मिला इलेक्टोरल बॉन्ड का नया डेटा अपलोड कर दिया है। 15 मार्च के आदेश के अनुसार चुनाव आयोग को यह लिस्ट नई जानकारी के साथ 17 मार्च शाम 5 बजे तक अपलोड करनी थी। आयोग को यह डेटा रजिस्ट्री से डिजिटल रूप में पेन

ड्राइव में मिला था। नए डॉक्यूमेंट्स केवल बॉन्ड की तारीख, कैटेगरी, बॉन्ड नंबर्स, जारी करने वाले भारतीय स्टेट बैंक की ब्रांच, रिसीविंग डेट और क्रेडिट डेट का डेटा दिखाते हैं। हालांकि इसमें बॉन्ड के यूनिक अल्फान्यूमेरिक नंबर्स नहीं हैं। चुनाव आयोग ने शुक्रवार (15 मार्च) को सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए उसके पास डेटा की कॉपी नहीं है।

लोकसभा चुनाव के लिए इलेक्शन कमीशन का केवायसी ऐप लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव का शेड्यूल जारी करने के साथ वोटर्स के लिए नो यॉर कैंडीडेट (केवायसी) ऐप भी लॉन्च किया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि

इस ऐप से वोटर्स को उनके क्षेत्र की लोकसभा सीट पर लड़ रहे प्रत्याशियों के क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी मिलेगी। साथ ही राजीव कुमार ने बताया कि इस ऐप से वोटर्स ये भी जान सकेंगे कि उनके प्रत्याशी के पास कितनी संपत्ति है। ऐप को गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। ईसी ने कहा-हमने ऐसे कई फैसले लिए हैं।

कांग्रेस के लिए आसान नहीं इस बार की लड़ाई

लोकसभा चुनाव में मुंह बाए खड़ी हैं कई चुनौतियां,सहयोगी भी नाराज

- **बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही है पार्टी,लड़ रही है अस्तित्व की लड़ाई**

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही 2024 के सबसे बड़े चुनावी समर का बिगुल फूंक चुका है। मैदान में इस बार मुकाबला एनडीए बनाम 'इंडिया' होने वाला है। एक तरफ मोदी के नेतृत्व में गठबंधन 400 के पार के सपने देख रहा है तो वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन किसी भी हाल में जीत चाहता है लेकिन इन सबके बीच देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस खुद को कहां देख रही है। भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने पार्टी को कोई खास फायदा नहीं पहुंचाया है। आलम यह है कि कांग्रेस अपने आस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। इस लिहाज से कांग्रेस के लिए चुनौती बड़ी है। 2024 का चुनाव कांग्रेस के भविष्य को भी तय करने वाला भी साबित होगा।

झोली में खुशियां आईं पर नाकाफी

कुछ महीने पहले तक, कांग्रेस पार्टी को बहुत उम्मीद थी। पिछले साल मई 2023 में कर्नाटक में कांग्रेस को बड़ी जीत मिलने के बाद, ऐसा लग रहा था कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों में भी उन्हें विजय मिलेगी। उनकी सोच थी कि इन दो राज्यों में जीत से हिंदी पट्टी में बीजेपी को चुनौती देने का रास्ता साफ हो जाएगा। मोदी के आने के बाद से कांग्रेस को वहां से पूरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था। साथ ही, उनकी सोच थी कि उनकी मजबूत स्थिति से उनके सहयोगी दलों को भी चुनाव जीतने में मदद मिलेगी। लेकिन, कांग्रेस की ये खुशी ज्यादा दिन नहीं टिकी। बीजेपी ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में जीत हासिल कर ली।

शराब नीति मामले में पूछताछ के लिए 21 मार्च तो जल बोर्ड केस में आज ही बुलाया

मुश्किल में फंसे केजरीवाल ईडी ने भेज दिए 'डबल' समन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दो समन जारी किए हैं। दिल्ली शराब नीति मामले में उन्हें नौवीं बार समन भेजकर 21 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। इस मामले में ईडी उन्हें अब तक 8 समन भेज चुकी है। हालांकि, वे एक बार भी पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए हैं। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड में हुई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में उन्हें 18 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है।

सीबीआई ने जुलाई 2022 में बोर्ड की टेंडर प्रोसेस में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मामले में एफआईआर दर्ज की थी। सीबीआई के एफआईआर को आधार बनाकर ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड की टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के दो अलग-अलग मामलों की जांच शुरू की थी। सीबीआई की एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन चीफ इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा ने एक कंपनी को करीब 38 करोड़ रुपए में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फ्लो मीटर के इंस्टॉलेशन, सप्लाई और टेस्टिंग का टेंडर जारी किया था। जुलाई 2023 में ईडी ने दिल्ली-एनसीआर, केरल और तमिलनाडु में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी और कुछ निजी संस्थाओं के अधिकारियों के 16 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी

ने 24 जुलाई 2023 और 17 नवंबर 2023 को सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें कई अहम दस्तावेज और सबूत जब्त किए।

इस दौरान पता चला कि जो काम दिया गया, वह उसके लिए टेक्निकल एलिजिबिलिटी को पूरा नहीं करती थी। कंपनी ने फर्जी डॉक्यूमेंट्स बनाकर टेंडर हासिल की। जगदीश कुमार अरोड़ा को इसकी जानकारी थी।

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की मां ने बेटे को दिया जन्म

- **पिता ने सोशल मीडिया पर बच्चे की शेयर की फोटो, कहा-परिवार स्वस्थ है**

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के घर किलकारियां गूंजी हैं। उनकी मां चरण कौर ने बेटे को जन्म दिया। सुबह करीब 5 बजे बठिंडा के प्राइवेट अस्पताल में बच्चे का जन्म हुआ। मूसेवाला के पिता बलकौर सिद्धू ने खुद यह जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने बच्चे का फोटो भी शेयर किया है। फोटो के साथ उन्होंने लिखा कि शुभदीप को चाहने वाली लाखों फैन्स के आशीर्वाद से ऊपर वाले ने शुभ के छोटे भाई को हमारी झोली में डाल दिया है। वाहेगुरु के आशीर्वाद से परिवार स्वस्थ है और सभी शुभचिंतकों के प्यार के लिए आभारी हैं। मां बनने के लिए चरण कौर ने इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक का सहारा लिया। वह पिछले 3-4 महीने से अपने घर से बाहर भी नहीं निकली थीं। सिद्धू मूसेवाला माता-पिता की इकलौती संतान थे। 29 मई 2022 को उनकी हत्या कर दी गई थी।

शिवराज बोले-सोनिया ने बैक डोर से ली राज्यसभा में एंट्री

कांग्रेस में चुनाव लड़ने वालों का टोटा, इनके पास न सेना बची, न सेनापति

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने राज्यसभा में बैक डोर से एंट्री की है। जिस पार्टी के सर्वोच्च नेता का ही आत्मविश्वास हिल गया हो, उस पार्टी का क्या होगा, यह कल्पना की जा सकती है। शिवराज सिंह ने रविवार को भोपाल में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व के दौरान कांग्रेस छोड़ने वाले बड़े नेताओं की सूची भी जारी की। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने वाले पूर्व मुख्यमंत्रियों और नेताओं के नाम भी गिनाए। पूर्व सीएम ने कहा कि 2014 से अब तक करीब 50 चुनाव कांग्रेस पार्टी

ने हारे हैं। शिवराज सिंह ने कहा- 2019 में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। अमेठी से खुद राहुल गांधी चुनाव हार गए थे। अभी अगर इतिहास देखें तो एक के बाद एक लगभग 50 चनाव कांग्रेस ने हारे हैं। 2013 के, 14 के बाद, कई उनके मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्रियों ने कांग्रेस छोड़ दी और कई जगह उनको चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार नहीं मिल रहे। पूर्व सीएम ने कहा- कांग्रेस ऐसा दल बन गई है जिसके पास न तो अब सेना बची है और न सेनापति, चुनाव लड़ने वालों का टोटा पड़ा हुआ है, जब मैडम चुनाव नहीं लड़ रहीं तो बाकी बड़े नेताओं ने हाथ उठा दिए। पूर्व सीएम ने कहा- एक तरफ भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से तैयार है।

राजधानी में बिना परमीशन सभाएं, रैली-धरना पर रोक

वोटिंग से पहले तक जुड़ सकेंगे नाम, कलेक्टर बोले-100 मिनट में शिकायत दूर करेंगे

भोपाल। लोकसभा चुनाव की तारीख तय होते ही भोपाल में धारा 144 लागू हो गई है। अब आचार संहिता तक बिना परमीशन न तो राजनीतिक सभाएं होंगी, न रैली। धरना या अन्य प्रदर्शन भी नहीं हो सकेंगे। 5 लोगों

के एक साथ इकट्ठा होने पर कार्रवाई भी हो सकती है। आचार संहिता लगते ही भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने शनिवार को चुनाव से जुड़े एक दर्जन से ज्यादा आदेश जारी किए हैं। बता दें, भोपाल लोकसभा सीट के लिए तीसरे चरण में 7 मई को वोटिंग होगी। नतीजे 4 जून को आएंगे। आचार संहिता लागू होने के दिन (16 मार्च) से 53वें दिन मतदान होगा।

सच्चाई-हिंदुस्तान हमारे साथ...बीजेपी में नहीं है दम

मुंबई में पदयात्रा के बाद बीजेपी-आरएसएस पर राहुल ने साधा बड़ा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने मुंबई न्याय संकल्प यात्रा के मौके पर कहा कि सत्तारूढ़ बीजेपी शोर बहुत मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस

- **कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा-बीजेपी कभी नहीं बदल सकती है संविधान**
- **राहुल गांधी ने कहा कि सही में इज्जत और मोहब्बत ही भारत का डीएनए है**

नहीं है। राहुल ने यह भी कहा कि सच्चाई और देश की जनता उनके साथ है। बीजेपी सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने हाल में कहा था कि उनकी पार्टी को संविधान में संशोधन करने के लिए और कांग्रेस द्वारा इसमें जोड़ी गई अनावश्यक चीजों को हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। इसके बाद बीजेपी ने हेगड़े की टिप्पणियों से पैदा हुए विवाद को शांत करने की कवायद में इसे उनका निजी विचार बताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा था। राहुल गांधी मुंबई में महात्मा गांधी के आवास मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक 'न्याय संकल्प पदयात्रा' करने के बाद यहां एक सभा को संबोधित कर रहे थे। अगस्त क्रांति मैदान में ही ब्रिटिश राज से आजादी के लिए भारत के संघर्ष के दौरान 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि बीजेपी भाजपा बहुत शोर मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है। सच्चाई और लोगों का समर्थन हमारे साथ है। वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने कहा कि मौजूदा लड़ाई केवल बीजेपी और कांग्रेस के बीच नहीं बल्कि दो विचारों के बीच है। उन्होंने कहा कि कोई सोचता है कि देश एक केंद्र से चलना चाहिए।

उत्तरप्रदेश में भाजपा की सपा बसपा-कांग्रेस पर बड़ी स्ट्राइक

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में विपक्षी दलों के नेताओं के जॉइनिंग का सिलसिला 50 दिनों तक चला। जिसमें कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अजय कपूर,

बसपा सांसद रितेश पांडेय और सपा के पूर्व विधायक कालीचरण सोनकर, शीशराम सिंह रवि समेत 1000 से ज्यादा नेता भाजपा से जुड़े। इसके साथ ही कई पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और सांसद, पूर्व प्रत्याशी, जिला पंचायत सदस्य, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और पार्षद समेत निर्दलीय भी शामिल हुए। जॉइनिंग का सिलसिला मुख्यालय से लेकर जिला स्तर तक चलाया गया। यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर जीत के लिए भाजपा कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहती है। यही कारण है कि अलग-अलग संगठनों से कई

- **50 दिनों में 1000 विपक्षी नेताओं को ज्वाइन कराया, 80 सीटों पर साधा जातीय-क्षेत्रीय समीकरण**

जाति- वर्ग के नेताओं को जोड़कर कुनबे को मजबूत किया गया। भाजपा के राज्य मुख्यालय पर रविवार को प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में कई राजनीतिक दल के प्रमुख नेता और सामाजिक संगठनों से जुड़े नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 18 मार्च , 2024

संक्षिप्त समाचार

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर कोठरी में कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर कोठरी में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आम जनों को उपभोक्ता संरक्षण अधिकार के संबंध में एवं जागो ग्राहक जागो की तर्ज पर उपभोक्ताओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया गया। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील कुमार बोहति ने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कोठरी नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती नगीना राधेश्याम दलपति, नगर पालिका अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती भावना ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पत्ति विरूपण अधिनियम का अक्षरश : पालन करें

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा थानावार लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्तों का गठन किया गया है। यह दल अपने थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी की देखरेख में 24 घंटे निगरानी रखेंगे। किसी भी राजनैतिक दल अथवा उनके अभ्यर्थियों द्वारा चुनाव प्रचार के लिए शासकीय, अशासकीय भवनों, विद्युत एवं टेलीफोन के खंभो आदि पर चुनाव प्रचार से संबंधित नारे लिखकर, पोस्टर, झंडिया लगाकर या अन्य तरीकों से उन्हें विरूपित करेगा तो यह दल सम्पत्ति विरूपण रोकने की कार्यवाही करेगा। अधिनियम के तहत कोई भी सम्पत्ति के स्वामी की लिखित अनुमति बिना सार्वजनिक महत्व में आने वाले किसी सम्पत्ति को स्याही, खडिया, रंग या किसी अन्य पदार्थ से लिखकर या चिन्हित कर उसे विरूपित करेगा वह एक हजार रूपए तक के जुर्माने से दण्डित किया जाएगा। थाना प्रभारी लोक सम्पत्ति विरूपण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को एक पंजी में पंजीबद्व करेंगे तथा शिकायत की जांच कर तथ्य सही पाए जाने पर लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करेंगे। थाना प्रभारी उपरोक्त के संबंध में की गई कार्यवाही से संबंधित साप्ताहिक प्रतिवेदन जिला निर्वाचन कार्यालय में भेजेंगे।

पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स हटाने की कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतदान की तिथियां घोषित होने के साथ ही कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने आदर्श आचरण संहिता को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधितों को दिए है। लोकसभा निर्वाचन की तिथियां घोषित होते ही कलेक्टर श्री वैद्य ने अधिकारियों से कहा है कि अब आदर्श आचरण संहिता के प्रावधानो का जिले में कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित किया जाए। इसी सिलसिले में जिले की पांचो विधानसभाओं में नगरीय एवं ग्रामीण स्थलों पर विभिन्न प्रकार की प्रचार-प्रसार सामग्री का उपयोग शासकीय परिसम्पत्ति पर किया गया है ऐसी प्रचार सामग्री का गठित दल तत्काल विनिष्टीकरण करने की कार्यवाही करें। उन्होंने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में गठित दलो को हर रोज सम्पत्ति विरूपण की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में जिला कार्यालय को भी उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया है।

अवकाश पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने निर्वाचन कार्य को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय सेवकों के सभी प्रकार के अवकाशों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है तथा मुख्यालय पर रहने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने अधिकारी, कर्मचारी को निर्देश जारी कर दिए है अतिआवश्यक कार्यो के होने की दशा में मुख्यालय छोड़ने से पहले संबंधित अधिकारी, कर्मचारी को अवकाश स्वीकृत कराना होगा। अनुमति प्राप्ति के उपरांत ही मुख्यालय छोड़ेगे। बिना अनुमति के अवकाश एवं मुख्यालय छोडने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने आदेश का कडाई से पालन करने के निर्देश समस्त विभागों के जिलाधिकारियों के साथ-साथ अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को दिए है।

निर्वाचन कार्यक्रम व आदर्श आचरण संहिता से अवगत हुए राजनैतिक दल

विदिशा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। निर्वाचन की घोषणा होते ही जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। कि जानकारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने आज राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों को दी। कलेक्टर श्री वैद्य ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन हेतु नामांकन पत्र आरओ मुख्यालय पर दाखिल किये जावेगें । लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत प्रत्येक अभ्यर्थियों को व्यय सीमा राशि 95 लाख निर्धारित की गई है। प्रत्येक अभ्यर्थी हेतु निक्षेप राशि 25 हजार निर्धारित है। (अनुसूचित जाती, जनजातिय हेतु राशि 12 हजार पांच सौ है। वाहनों की अनुमतियाँ संबंधित विधानसभा क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दी जावेगी । संपूर्ण संसदीय क्षेत्र हेतु अनुमतियां आरओ मुख्यालय से दी जावेगी। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत समस्त अनुमतियाँ जिला स्तरीय सिंगल विण्डो के माध्यम से प्रदाय की जावेगी ।

कलेक्टर श्री वैद्य ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत स्टार प्रचारकों, वरिष्ठ प्रतिनिधियों हेतु हेलीकाप्टर की अनुमतियां संबंधित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही उपरांत आरओ स्तरीय सिंगल विण्डों से प्रदाय की जावेगी । निर्वाचन की घोषणा के साथ ही कार्यालय कलेक्टर, समस्त अ.वि.अ कार्यालय एवं तहसील कार्यालय जिला विदिशा के सीमा क्षेत्र की परिधि में धारा 144 लागू की जाती है। ध्वनि विस्तारक यंत्र की अनुमतियां सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों के द्वारा प्रदाय की जावेगी । आदर्श आचार संहिता लागू होने के उपरांत शासकीय, अशासकीय भवनों में किसी भी प्रकार का प्रचार प्रसार, दीवार लेखन, स्लोगन इत्यादि नहीं किया जावेगा, निजि सम्पत्ती पर संबंधित भूमि स्वामी , सम्पत्ती धारक की लिखित सहमति उपरांत ही प्रचार अनुमत्या होगा । सरकारी संपत्ति पर अनधिकृत विरूपण हटाने की कार्यवाही 24 घंटे के भीतर, सार्वजनिक संपत्ति पर अनाधिकृत विरूपण एवं सार्वजनिक सीन का दुरूप्योग संबंधी विरूपण हटाने की कार्यवाही-48 घंटे के भीतर। निजी संपत्ति पर अनधिकृत विरूपण हटाने की

कार्यवाही - 72 घंटे के भीतर की जाएगी। लोकसभा निर्वाचन 2024 की समस्त गतिविधियों के सुगम संचालन हेतु जिला स्तरीय कंटोल रूम कलेक्टर कार्यालय, जिला विदिशा में स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम नम्बर 07592-230288 कंट्रोल रूम 24 घंटे सातो दिन संचालित रहेगा।

आदर्श आचार संहिता के दौरान प्रतिबंधित गतिविधियां

जिले की समस्त शस्त्र अनुज्ञप्ति निलम्बित की जा चुकी है। कोई भी व्यक्ति, अभ्यर्थी तथा राजनैतिक दल, सक्षम अधिकारी (अनुविभागीय दण्डाधिकारी) (राजनैतिक आयोजन की दशा में संबंधित क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर) की कम से कम 48 घंटे पूर्व अनुमति से तथा पुलिस को पूर्व सूचना दिये विना कोई सभा ध्जुलूस ध् वाहन रैली का आयोजन नही करेगा। धार्मिक स्थल, शैक्षणिक संस्थाओं, शासकीय कार्यालय परिसरों, रेस्ट हाउस में राजनैतिक सभा इत्यादि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। कोई भी व्यक्ति, अभ्यर्थी तथा राजनैतिक दल, सक्षम अधिकारी (अनुविभागीय दण्डाधिकारी) (राजनैतिक आयोजन की दशा में संबंधित क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर) की 48 घंटे पूर्व अनुमति तथा पुलिस को पूर्व सूचना दिये बिना किभी भी सार्वजनिक स्थान पर न तो किसी आमसभा का आयोजन करेगा और ना ही कोई टेंट, शामियाना इत्यादि ही लगायेगा । कोई भी व्यक्ति या संगठन या समूह एक स्थान पर लाठी, पत्थर, धारदार घातक हथियार या किसी प्रकार के घातक पदार्थो या अस्त्र-शस्त्रो का संग्रह नही करेगा। वैध अनुज्ञप्तिधारी को छोडकर कोई भी व्यक्ति न तो, बारूद या पटाखो, पेट्रोलियम, ज्वलनशील पदार्थो का न तो संग्रहण करेगा और ना ही निर्माण करेगा और ना ही उपयोग, प्रदर्शन करेगा। कोई भी व्यक्ति मतदाताओं को किसी भी प्रकार का लालच या प्रलोभन देकर या धौस धपट, धमकी देकर भयभीत नही करेगा और न ही निर्वाचन प्रक्रिया को दूषित , बाधित करेगा। कोई भी व्यक्ति अथवा समूह किसी प्रकार के अस्त्र-शस्त्रो को धारित नही करेगा और न ही उनका किसी प्रकार का उपयोग करेगा और न ही उनका सामूहिक प्रदर्शन आयोजित करेगा। कोई भी गृह स्वामी यथा स्थिति या अपने निजी या किराये के आवास पर किसी भी बाहरी व्यक्ति को नही ठहरायेगा, जब तक उसकी लिखित सूचना संबंधित थाना प्रभारी को कोटवार के माध्यम से न दे दी जावे। कोई भी व्यक्ति अपने आस-पास निवास करने आये संदेहास्पद व्यक्ति या व्यक्तियो की जानकारी, जो कि उसके संज्ञान में आती है, वह नहीं छिपायेगा । कोई भी बाहरी व्यक्ति मतदान दिवस को (मतदाताओ को छोडकर) मतदान केन्द्र की 100 मीटर की परिधि में न तो प्रवेश करेगा और न ही समूह बनाकर एकत्र होगा। कोई भी राजनैतिक दल, व्यक्ति या अभ्यार्थी किसी प्रकार का धरना, प्रदर्शन, जुलूस, चक्काजाम या पुतला दहन नही करेगा या आयोजित नहीं करेगा या किसी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उनका समर्थन नही करेगा। उक्त गतिविधियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी।

कोई भी राजनैतिक कार्यक्रम, सभा का आयोजन बिना सक्षम प्राधिकारी (संबंधित क्षेत्र के : रिटर्निंग ध् सहायक रिटर्निंग ऑफिसर) की अनुमति के बिना नही किया जावेगा। कोई व्यक्ति, राजनैतिक दल, संगठन, संस्था आदि किसी समुदाय अथवा धर्म विशेष को लेकर अथवा अन्य प्रकार के आपत्तिजनक भाषण, संवाद नारे आदि का उपयोग नही करेगा, चाहे व मौखिक अथवा मुद्रित रूप मे हो रहा हो, जिससे सामप्रदायिक अथवा अन्य प्रकार से लोक परिशांति भंग हो सकती है। सक्षम प्राधिकारी (अनुविभागीय दण्डाधिकारी) (राजनैतिक आयोजन की दशा में संबंधित क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग ऑफिसर) से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। कोई भी व्यक्ति या समूह विदिशा जिले की राजस्व सीमा में राजनैतिक कार्यक्रमों तथा जुलूस, रैली, सभा आदि में आतिशबाजी तथा पटाखे, तेज आवाज करने वाले विस्फोटक आदि वस्तुओं का उपयोग सार्वजनिक मार्गध्स्थानों पर बिना अनुमति नही करेगा, इसमें बारात मे चल समारोह में की जाने वाली आतिशबाजी भी प्रतिबंधित रहेगीं ।

इस अवधि के दौरान प्रचार-प्रसार हेतु कोई भी राजनैतिक दल, संस्था, व्यक्ति, रैली, काफिले मे : तीन से अधिक वाहनों का उपयोग बिना अनुमति के नही करेगा। अनुमत गतिविधियो में निर्वाचन आयोग की गाईडलाईन का पालन किया जाना अनिवार्य होगा। राजनैतिक कार्यक्रम आयोजित करने की दशा में प्राप्त अनुमति की प्रति तथा व्यय के ब्यौरे संबंधित क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर को प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। कोई भी व्यक्ति सोशल मिडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो जैसे, वाट्सएप, फेसबुक, टेलीग्राम, ट्विटर, एसएमएस. इस्ट्रग्राम, इत्यादि का दुरूपयोग कर राजनैतिक, जातिगत, धार्मिक, सामाजिक भावनाओं एवं विद्वेष को भडकने, उत्तेजित करने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण ध् फारवर्ड नही करेगा। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलने वाले संदेश, फोटो, आडियो, वीडियो इत्यादि भी सम्मिलित है, जिसमें राजनैतिक, धार्मिक, जातिगत, सामाजिक आदि भावनाए भड़क सकती है, या संप्रदायिक विद्वेष उत्पन्न होता है, को न ही प्रसारित करेगा या भेजेगा। सोशल मिडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें धार्मिक, संप्रदायिक, जातिगत, राजनैतिक भावनाएँ भड़कती हो कमेंट, लाईक, शेयर या फारवर्ड नही करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप मे इस प्रकार के संदेशो को रोके तथा तत्काल उनकी सूचना निकटतम थाने को प्रदान करे। संभव हो, तो ग्रुप एडगिन ग्रुप की रोटिंग ओनली फार एडमिन पर भी रख सकता है। कोई भी व्यक्ति, समूह द्वारा सोशल मीडिया में राजनैतिक, सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने हेतु या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमो से नहीं किया जावेगा और न ही इसके लिए अन्य व्यक्ति अथवा समूह को ही प्रेरित किया जावेगा।

मुद्रण एवं प्रकाशन की जानकारी देना अनिवार्य

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के निर्वाचन की घोषणा उपरांत जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार निर्वाचन पम्पलेटो, पोस्टरों आदि के मुद्रण एवं प्रकाशन को प्रतिबंधित करते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 27 क के उपबंधों द्वारा विनिमित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने विदिशा जिले में स्थित समस्त मुद्रणालय एवं उनके स्वामियों तथा प्रकाशको को आदेश प्रसारित किए है कि किसी भी पम्पलेट या पोस्टर मुद्रण, मुद्रित सामग्री पर मुद्रक तथा प्रकाशकों के नाम व पते का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए। यह भी कोई व्यक्ति किसी निर्वाचन पम्पलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण नही करेंगे और ना ही मुद्रित करवाएंगे जब तक की प्रकाशको की पहचान की घोषणा उनके द्वारा हस्ताक्षरित तथा दो व्यक्ति जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हो उनके द्वारा सत्यापित होना जरूरी है। अनुबंध क में प्रकाशको से घोषणा प्राप्ति कर जिला निर्वाचन कार्यालय को भेजी जाएगी अनुबंध ख में मुद्रित सामग्री तथा घोषणा के साथ प्रिन्टर कागजातों की प्रतियों की संख्या मुद्रण के लिए वसूल की गई कीमत का ब्यौरा देना होगा। उक्त आदेशों का कढाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश प्रिन्टिग प्रेसो को जारी किए गए है यदि कही त्रुटि पाई जाती है तो राज्य के संगत कानूनो के तहत प्रिन्टिग प्रेस के लायसेंसो का प्रतिसंहरण भी हो सकता है।

स्टैडिंग कमेटी की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई । श्री सिंह ने बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियां लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के बारे में विस्तार से जानकारी दी । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। श्री सिंह ने सभी से आदर्श आचार संहिता का पालन करने के लिए कहा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि विदिशा एवं भोपाल संसदीय क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र 12 अप्रैल 2024 से नामांकन पत्र लिए जाएंगे । नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2024 निर्धारित है । नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 20 अप्रैल 2024 को की जाएगी । अभ्यर्थियों द्वारा नामनिर्देशन पत्र वापस लेने की तिथि 22 अप्रैल 2024 निर्धारित है । इसमें विदिशा एवं भोपाल संसदीय क्षेत्र के लिए 07 मई 2024 को मतदान होगा । मतों की गणना 04 जून 2024 को होगी । देवास संसदीय क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र 18 अप्रैल 2024 से नामांकन पत्र लिए जाएंगे । नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2024 निर्धारित है ।

गावों के समग्र विकास के लिए कार्य योजनान्तर्गत तेजी से कार्य करें: कलेक्टर सिंह

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत जिला स्तरीय अभिसरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के संबंध मे विस्तृत बिन्दुवार और ग्रामवार चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कहा कि आदर्श ग्राम एक ऐसी संकल्पना है जिसमें लोगों को विभिन्न बुनियादी सेवाएं देने की कार्ययोजना बनाकर ग्रामों का विकास किया जायगा ताकि समाज के सभी वर्गो की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति हो तथा ऐसे वातावरण का निर्माण हो सके ताकि ग्राम वासियों की पूरी क्षमता और गांव के संसाधनों का उपयोग किया जा सकें। बैठक में पेयजल और स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, समाज सुरक्षा, ग्रामीण सड़कें और आवास, विद्युत और स्वच्छ ईधन, कृषि, वित्तीय समावेशन, डिजीटलीकरण जीवन-यापन और कौशल विकास से संबंधित विस्तार से चर्चा कर ग्राम पंचायत समिति के अनुमोदन तथा जिला पंचायत की अनुशंसा के आधार पर जिला अभिसरण समिति द्वारा कार्य योजना का अनुमोदन दिया गया। बैठक में समिति के सचिव एवं जनजाति कार्य विभाग के जिला संयोजक श्री हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि जिले के 22 ग्राम अनुसूचित जाति ग्राम आदर्श ग्राम योजना में सम्मिलित हैं। बैठक में कृषि विभाग के उप संचालक श्री केके पांडेय, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री एन के जैन, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री प्रदीप सक्सेना, सीएमएचओ डॉ.सुधीर कुमार डेहरिया, जिला खाद्य अधिकारी श्री सुनील बोहित, सीईओ जनपद सीहोर श्री नमिता बघेल सहित वीसी के माध्यम अन्य जनपद पंचायतों के सीईओ सहित सभी संबंधित अधिकारी शामिल हुये।

ग्रीष्मकाल में पेयजल आपूर्ति संबंध में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से दिशा निर्देश

विदिशा (निप्र)। मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों पर ग्रीष्मकाल में जिलों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाओं के संबंध में आज भोपाल द्वारा आयोजित व्हीसी के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। उपरोक्त बैठक में ग्रीष्मकाल के दौरान जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के प्रबंध सुनिश्चित कराए जाने हेतु क्या-क्या तैयारी की गई हैं के संबंध में संवाद के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। ग्रीष्मकाल में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या उत्पन्न होती है तो इस हेतु हैंड पंप के खनन सहित अन्य जल स्त्रोतों के माध्यम से पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। बैठक में नगरीय क्षेत्र में भी जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या है वहां पर पहले से ही चिन्हांकन कर टैंकरों से पानी के टैंकर उपलब्ध कराए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। विदिशा के एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉ. योगेश भरसट सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यांत्रिक श्री एसके साल्वे व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने पेयजल आपूर्ति के संबंध में दिए निर्देश

कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान विदिशा जिले में कहीं भी पेयजल की समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु अपने चेंबर में आयोजित बैठक में पीएचई विभाग के अधिकारियों समेत अन्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये हैं। उन्होंने जिला व जनपदवार शिकायत निवारण प्रकोष्ठ गठित करने के लिए कहा है जिले के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हांकन कर पूर्व में ही एक्शन प्लान तैयार कर लें। उन्होंने कहा कि अभी से ही नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र की जानकारी एकत्रित करें विदिशा के सिरोंज क्षेत्र में भी पेयजल आपूर्ति हेतु पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करें जिन क्षेत्रों में हैंडपंपों के सुधारीकरण की आवश्यकता है वहां इन कार्यों को पूरा करें, टैंकर परिवहन हेतु व्यवस्था की जाए के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिला स्तरीय बैंकर्स परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न

हरदा (निप्र)। जिला स्तरीय बैंकर्स परामर्शदात्री समिति की बैठक कलेक्टर श्री आदित्यसिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया, लीड बैंक प्रबन्धक श्री मनीष जायसवाल तथा रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि सहित अन्य बैंकों के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि पिछले दिनों बैरागढ़ की पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट से प्रभावित परिवारों के सदस्यों का सर्वे कर उनमें से ऐसे सदस्य चिन्हित करें जोकि शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत लाभान्वित हो सकते है, ऐसे हितग्राहियों के प्रकरण तैयार कर बैंकों को भिजवाएं ताकि उन परिवारों को आर्थिक मदद मिल सके। उन्होने कहा कि सभी बैंकर्स शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत विभागों द्वारा भेजे गये प्रकरण समय सीमा में स्वीकृत कर हितग्राही को राशि वितरित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री डांगीवाल के विरूद्ध

कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होने आदिम जाति कल्याण विभाग और अंत्यावसायी समिति की विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्रकरण बैंकों को पर्याप्त संख्या में प्रेषित न करने तथा विभागीय स्वरोजगार योजनाओं में कम प्रगति प्रदर्शित होने पर जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग डॉ. कविता आर्य के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने विभाग की स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित प्रकरणों के मामले में पात्र हितग्राहियों के ही प्रकरण तैयार कर बैंकों को भेजें और बैंक प्रबन्धकों से समय-समय पर सम्पर्क करते रहें। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्ट्रीट वेन्डर योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम व उद्यम क्रांति योजना की प्रगति की भी समीक्षा बैठक में की। उन्होने बैंकर्स को निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज बैंक सबंधित शिकायतों का निराकरण आवेदक से चर्चा कर शीघ्रता से करें। कलेक्टर श्री सिंह ने बैंकर्स से कहा कि ऋण वसूली के मामले में जिला प्रशासन बैंकर्स को हर संभव मदद दिलायेगा।

प्रशिक्षणार्थियों के समक्ष फायर मॉक ड्रिल को करके दिखाया

आपदा पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के अन्तर्गत आपदा पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम विदिशा के अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फायर मॉक ड्रिल का आयोजन भी किया गया मॉक ड्रिल को अग्निशमन विभाग के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन समारोह मे चिकित्सा महाविद्यालय के अधीक्षक डॉ. डी. परमहंस ने स्वागत भाषण देकर अतिथियों एवं प्रशिक्षुओं का स्वागत किया। संयुक्त कलेक्टर एवं मुख्य अतिथि सुश्री निकिता तिवारी ने कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों एवं नर्सिंग स्टाफ को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील नन्देश्वर ने विशेष भाषण देकर प्रशिक्षुओं को संबोधित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न बिंदुओं के टॉपिक पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाए गए जिनमें आपदा प्रबंधन के मूलभूत सिद्धांत एवं अग्नि सुरक्षा प्रबंधन की जानकारी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिला सलाहकार श्री अजीत बाथम ने दी इसके अलावा होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री महेश हनोतिया एवं प्लाटून कमांडर सुश्री रश्मि दुबे ने खोज एवं बचाव कार्य के मूलभूत सिद्धांत समझाए। उक्त कार्यशाला मे 100 से अधिक शिक्षकों, नर्सिंग स्टाफ, हॉस्पिटल स्टाफ ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। कार्यशाला का संचालन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के जिला सलाहकार श्री अजीत बाथम ने किया।

धारा-144 के तहत बगैर अनुमति के धरना, जुलूस, आमसभा, रैली आदि आयोजनों पर लगाया गया प्रतिबंध

इन्दौर। लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के पालन हेतु धारा-144 के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये है। तद्नुसार बगैर अनुमति के धरना, जुलूस, आमसभा, रैली आदि आयोजनों पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत भी आदेश जारी किये गये है। इस आदेश के तहत संपूर्ण जिले में रात्रि दस बजे से सुबह 6 बजे तक लाउड स्पीकर एवं ध्वनि विस्तार यंत्रों का सार्वजनिक उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। मध्यप्रदेश संपत्ति विरूपण अधिनियम-1994 के पालन कराने के लिये भी आदेश जारी किये गये है। इस अधिनियम के अनुसार बगैर अनुमति के किसी भी भवन या परिसर में संपत्ति विरूपित करने संबंधी सामग्री अथवा लेखन नहीं किया जा सकता है। निर्वाचन के मद्देनजर संपत्ति विरूपण संबंधी सामग्री/ लेखन आदि हटाने के लिये कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इसके लिये विभिन्न दस्तों का गठन किया गया है। 24 घंटे के भीतर शासकीय भवनों से और 48 घंटो के भीतर सार्वजनिक स्थलों से तथा 72 घंटों में निजी स्थानों भवनों से संपत्ति विरूपण संबंधी सामग्री/ लेखन आदि हटाने के लिये कार्रवाई की जायेगी। शस्त्र अधिनियम के तहत शस्त्र जमा कराने की कार्रवाई भी होगी। सभी विश्राम गृहों का अधिग्रहण कर लिया गया है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

शहर की सफाई व्यवस्था देखने ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचे निगम आयुक्त

सफाई मित्र को मास्क पहनाया, लापरवाही पर लगाई पैनल्टी

इंदौर (नप्र)। नगर निगम आयुक्त ने शहर की सफाई व्यवस्था देखने के साथ ही ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया। सुलभ कॉम्प्लेक्स में पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने पर पैनल्टी लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त शिवम वर्मा ने रविवार सुबह शहर के विभिन्न स्थानों की सफाई व्यवस्था के साथ ही ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित प्लांट का निरीक्षण किया। आयुक्त वर्मा द्वारा सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के दौरान पलासिया चौराहा के पास स्थित नाले का निरीक्षण किया। इसके बाद आदर्श रोड पर नर्मदा लीकेज लाइन कार्य का अवलोकन कर क्षेत्रीय जोनल अधिकारी को काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके बाद आयुक्त ने साकेत नगर होते हुए बैकुंठ धाम कॉलोनी में सफाई कार्य देखा। यहां सफाई कार्य में संलग्न सफाई मित्र द्वारा मास्क नहीं पहने होने पर सफाई

मित्र को आयुक्त ने मास्क पहनाया। आयुक्त ने ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित विभिन्न प्लांट का भी अवलोकन किया। इस दौरान ट्रेंचिंग ग्राउंड में स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स का भी निरीक्षण किया गया। यहां अन्य संसाधन व सफाई पर्याप्त नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी और सीएसआई को सुलभ कॉप्लेक्स के संचालक के विरुद्ध पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही समस्त स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने झोन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त सुलभ कॉप्लेक्स में अनिवार्य रूप से पर्याप्त संसाधन और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इंदौर में लगातार दूसरे दिन हादसा

बॉम्बे हॉस्पिटल के नजदीक टकराई कारें, आग से एंबुलेंस और दो दुकानें स्वाहा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के बाहर खड़ी एम्बुलेंस में आग लग गई। आग की सूचना के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण सामने नहीं आ पाया है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के मुताबिक उन्हें सूचना मिली कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के पास पार्किंग में खड़ी एम्बुलेंस में आग लगी है। इसके बाद दमकल को मौके पर भेजा गया। यहां करीब साढ़े तीन हजार लीटर पानी डालने के बाद आग पर काबू किया। कर्मचारियों ने बताया कि एम्बुलेंस खड़ी थी। जिसमें इंजन से तेज धुआं निकला। इसके बाद पूरी एम्बुलेंस अंदर से धू-धू कर जलने लगी। फायर ब्रिगेड ने जब तक काबू किया। तब तक पूरी गाड़ी जल चुकी थी।

दो दुकानों में लगी आग

फायर ब्रिगेड के मुताबिक रात में धार रोड पर दो दुकानों में भी आग लग गई। यहां गिफ्ट आयटम के साथ एमपी ऑनलाइन की दुकानें भी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। रात में सूचना के बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। जिसमें आग पर काबू किया गया।

बॉम्बे हॉस्पिटल के नजदीक दो कारें भिड़ीं

रविवार को बॉम्बे अस्पताल के पास दो कारें भिड़ गईं। एक कार का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि दूसरी कार को भी नुकसान हुआ है। पुलिस के मुताबिक दोनों कार चालकों को चोटें नहीं आईं।

अवैध पेट्रोल की दुकान से उठी चिंगारी; 94 हजार लीटर पानी से बुझी आग

इंदौर के छोटी ग्वालटोली में पटेल ब्रिज के पास शनिवार शाम भीषण आग लग गई। आग एक ट्रेवल्स ऑफिस में लगी। आसपास की 10 दुकानें भी चपेट में आईं। इनमें से 3 पूरी तरह खाक हो गईं। टू-व्हीलर और एक ऑटो भी जलकर खाक हो गया। आग पटेल प्रतिमा के ठीक सामने संचालित 'सांवरिया ऑयल' से आग लगनी शुरू हुई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। लगभग डेढ़ घंटे तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। दुकान संचालक राकेश गुर्जर ने यहां अवैध रूप से घासलेट, पेट्रोल-डीजल और थिनर ड्रमों में भरकर रखता था।

गर्भवती पत्नी को पति ने पीटा

सास और ननद पर भी लगाए प्रताड़ना के आरोप

इंदौर (नप्र)। आजाद नगर पुलिस ने एक गर्भवती के साथ मारपीट किये जाने की शिकायत पर पति, सास और ननंद पर केस दर्ज किया है। पीड़िता दो माह की गर्भवती है। पति ने मां और बहन की बात नहीं सुनने के आरोप लगाकर हाथापाई की और घर से निकाल दिया। आजाद नगर टीआई नीरज मेंढ़ा ने बताया कि खुशबू नीमे निवासी पवन पुरी कॉलोनी की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति अभिषेक नीमे, सास भारती और ननंद मोना के खिलाफ दो लाख रुपए दहेज मांगने और घर से निकालने का केस दर्ज किया है। खुशबू ने बताया कि उसकी शादी को करीब दो साल हो गए। शादी के कुछ माह बाद से ही सास और ननंद काम नहीं करने के आरोप लगाती है। इतना ही नहीं पति अभिषेक से झूठी शिकायतें भी करती है। इसे लेकर वह काफी डिप्रेशन में चली गई। दो दिन पहले शुक्रवार को जब वह घर पर किचन में काम कर रही थी तो पति अभिषेक उसके पास आया और कहा कि मां और बहन की बात क्यों नहीं सुनती हो। इसके बाद पति अभिषेक ने हाथा पाई और मारपीट की। तब सास भारती और ननंद मोना ने भी झूमाझटकी कर घर से बाहर निकाल दिया।

किराना व्यापारी की कार घर से चोरी

एक दिन पहले मेला देखने गए थे, सात दिन बाद केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमआईजी इलाके में एक किराना व्यापारी की कार चोरी हो गई। वह अपने बच्चों को एक सप्ताह पहले मेले में घुमाने ले गए थे। वहां से लौटकर रात में घर की पार्किंग में कार खड़ी कर दी। दूसरे दिन सुबह कार नहीं मिली। वे चोरी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे तो पुलिस ने कहा पहले अपने आसपास कार ढूंढो। जब एक सप्ताह तक कार नहीं मिली इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया। पुलिस के मुताबिक श्रीनगर एक्सटेंशन में रहने वाले राजेश मिश्रा ने पुलिस को बताया कि उनकी महू में किराना दुकान है, लेकिन वे परिवार के साथ इंदौर में रहते हैं। 10 मार्च को वह अपने बच्चे और परिवार को लेकर मेले में कार से घूमने गए थे। वहां से लौटकर रात 11 बजे घर के बाहर बनी पार्किंग में कार खड़ी कर दी। 11 मार्च की सुबह वह उठे तो कार जगह पर नहीं थी। आसपास काफी तलाश की। नहीं मिली तो पुलिस से शिकायत की। एक सप्ताह तक कार नहीं मिली तो पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिला है।

ज्योतिष महिला के घर में घुसकर मारपीट

पांच लेब्राडोर नस्ल के डॉग खरीदी को लेकर हुआ था विवाद

इंदौर(नप्र)। इंदौर की अन्नपूर्णा पुलिस ने एक ज्योतिषी महिला के घर में घुसकर मारपीट करने और धमकाने के मामले में तीन लोगों पर केस दर्ज किया है। आरोपियों ने पांच लेब्राडोर नस्ल के डॉग के रुपए को लेकर कहासुनी के बाद विवाद हुआ। पुलिस मामले में जांच कर रही है। अन्नपूर्णा पुलिस के मुताबिक सपना पति विनोद साहू निवासी कुंजवन की शिकायत पर पुलिस ने संदीप रघुवंशी निवासी मांडव नाका, सोमसिंह रघुवंशी निवासी घाटा बिल्लौद, उमेश रघुवंशी पर घर में घुसकर धमकाने और मारपीट का केस दर्ज किया है। पीड़िता सपना साहू ने बताया कि वह पेशे से ज्योतिष है। उनका बेटा जय पेट शॉप एंड ब्रीडिंग फर्म का संचालन करता है। सपना ने बताया कि 15 मार्च को पांच लेब्राडोर नस्ल के डॉग 80 हजार रुपए में खरीदकर इंदौर लेकर आई। इसी दिन रात करीब 12 बजे संदीप अपने दो साथियों के साथ घर आया और विवाद करने लगा। बेटा जय बाहर गया तो उसे अपशब्द कहे और झूमाझटकी करने लगा। वह अपने पांचों डॉग वापस मांग रहा था। विवाद खत्म करने के लिए मैंने उससे कहा कि चाहो तो डॉग ले जाओ पर रुपए लौटा दो। लेकिन संदीप नहीं माना।

इंदौर पुलिस और प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

केंद्रीय सुरक्षा बलों की टुकड़ी भी हुई शामिल

इंदौर (नप्र)। इंदौर में लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। चुनाव शांतिपूर्ण कराने के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा शहर के नगरीय क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में कलेक्टर और एडिशनल कमिश्नर सहित इंदौर के सभी डीसीपी, एस.डी.एम. एडिशनल डीसीपी, एसीपी, सभी थाना प्रभारियों और केंद्रीय सुरक्षा बलों की टुकड़ी जिला पुलिस बल इंदौर के फोर्स ने वाहनों के काफिले के साथ रीगल चौराहे से फ्लैग मार्च शुरू किया। रीगल चौराहा से घूमकर शास्त्री ब्रिज के नीचे से राजकुमार ब्रिज होते हुए डीआरपी लाईन चौराहा से मरीमाता, बाणगंगा ब्रिज, लवकुश चौराहा, एम आर - 10 चौराहा, बापट चौराहा, बी सी सी होते हुए निरंजनपुर चौराहा होते हुए सत्यसांई चौराहा, विजयनगर चौराहा, रेडीसन चौराहा, खजराना चौराहा, बंगाली चौराहा मूसाखेड़ी चौराहा, आई टी पार्क चौराहा, राजीव गांधी चौराहा, चौइथराम मंडी होते हुए केसरबाग ब्रिज होते चाणक्यपुरी चौराहा, अन्नपूर्णा मंदिर के सामने से होते हुए महाराणा प्रताप प्रतिमा से बाए होकर रणजीत हनुमान मंदिर के सामने से होते हुए फूटी कोठी चौराहा से चंदन नगर चौराहा होते हुए जिला अस्पताल से लाबरिया भेरू, गंगवाल बस स्टेण्ड होते हुए राजमोहल्ला चौराहा, अंतिम चौराहा, बड़ा गणपती से रामचंद्र नगर चौराहा से आरएपीटीसी आफिस के सामने से होते हुए 72 क्वार्टर चौराहा से टाटा स्टील से रानी लक्ष्मी बाई प्रतिमा, महेश गार्ड, मरीमाता चौराहा, पोलोग्राउण्ड से अहिल्याश्रम स्कूल होते हुए डीआरपी लाईन पर समाप्त हुआ।

टेलीकॉम कंपनी कर्मचारी के साथ वारदात

बुलेट पर टंगा बैग लेकर भागा मोपेड सवार, सीसीटीवी कैमरों में हुआ कैद

इंदौर (नप्र)। इंदौर के परदेशीपुरा में टेलिकॉम कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी के साथ वारदात हो गई। वह अपने दोस्त के घर पहुंचा तो बैग बुलेट पर ही छोड़ दिया। वहां पहुंचे एक बदमाश ने बैग गाड़ी से उतारा और भाग गया। कर्मचारी ने पीछा भी किया। लेकिन बदमाश हाथ नहीं लगा।

परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक अजय पाल निवासी पटेल नगर ने बताया कि वह ऑफिस जा रहा था। रास्ते में क्लर्क कॉलोनी में दोस्त सुरेन्द्र के पास रुक गया। वहां पहुंचे दूसरे दोस्त अमित की मदद के लिये अजय बुलेट से नीचे उतरा और गेट खोलने लगा। इस बीच मोपेड से आया बदमाश बुलेट पर टंगा बैग लेकर भाग गया। अजय ने पीछा किया लेकिन बदमाश हाथ नहीं आया। अजय पाल के मुताबिक बैग में लैपटॉप, मोबाइल, कुछ रुपए और मार्कशीट के साथ अन्य डॉक्यूमेंट रखे हुए थे।

पुलिस को मिले फुटेज: परदेशीपुरा पुलिस को इस मामले में आरोपी के काली रंग की मोपेड से भागते हुए फुटेज मिले हैं।

इंदौर में चार दिनों तक चली करणावत में छानबीन

1.80 करोड़ रु. जमा कराए; 16 फर्म का था रजिस्ट्रेशन

इंदौर (नप्र)। इंदौर सहित प्रदेशभर में जीएसटी विभाग द्वारा करणावत पान और भोजनालय पर मंगलवार से शुरू हुई छापे की कार्रवाई खत्म हो गई। इसमें 1.80 करोड़ रु. की जीएसटी चोरी की बात सामने आई है। करणावत की ओर से यह राशि जमा कर दी गई है। छानबीन में पता चला कि करणावत ने जीएसटी के लिए 16 जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराए थे। इसमें ऐसी कई दुकानें थीं, जहां से व्यापार हो रहा था। इसके अलावा भी प्रदेशभर में विभाग द्वारा 8-10 अलग-अलग फर्म्स पर इस हफ्ते कार्रवाई की गई। इसमें 4.60 करोड़ रु. जमा करवाए गए। सबसे ज्यादा 3 करोड़ रुपए की राशि भोपाल की एक सिगरेट, पान-मसाला फर्म द्वारा जमा की गई। रजनी सिंह एडिशनल कमिश्नर (कमर्शियल टैक्स डिपार्टमेंट) ने बताया आचार संहिता लागू होने के बाद अब और सख्ती से नजर रखी जाएगी। इसें मुख्य रूप से मुफ्त में बांटी जाने वाली सामग्रियों से जुड़े व्यापारियों पर नजर रहेगी।

इंदौर में शिव महापुराण कथा

शिव के चरणों में ही मोक्ष की प्राप्ति : पं. नारायण शास्त्री

इंदौर (नप्र)। जीवन में जब भी दुख आए तो भोलेनाथ का अवश्य स्मरण करें, सारे दुख जरूर दूर होंगे। मनुष्य को भगवान शिव की शरणागति में अपना पूरा जीवन लगा देना चाहिए। मोक्ष शिव महापुराण में ही मिलता है शिव के चरणों में ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। हमेशा रिश्तेदारों का मान सम्मान करना चाहिए,उनके सामने कभी अहंकार नहीं दिखाना चाहिए। भगवान शिव का स्मरण रोजाना करना चाहिए। जीवन में जैसा देखेंगे वैसा दिखेगा दृष्टि जैसी होगी वृष्टि वैसी होगी। द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा सुनने मात्र से ही पूरी कथा सुनने का पुण्य मिलता हैं। यह बातें शनिवार को पं. नारायण शास्त्री ने नौलखा स्थित श्री सिद्धेश्वर वीर हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा में कही। मंदिर के महंत

महेशानंद महाराज,महंत प्रकाशानंद महाराज ने बताया कि मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय शिवमहापुराण कथा में पं. नारायण शास्त्री ने भगवान शिव के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा सुनने बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। सुबह महादेव का अभिषेक पूजन अर्चन किया गया, शाम को पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर अभिषेक किया। कथा में बड़ी संख्या में भक्तों ने कथा का रसपान किया।

पानी की बाल्टी में औंधे मुंह गिरी गर्भवती, मौत

पति बोला- चक्कर आते थे पर कभी गिरी नहीं, 15 दिन पहले ही इंदौर आए थे

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राऊ इलाके में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। महिला बाथरूम की बाल्टी में औंधे मुंह गिरी हुई थी। दरवाजा तोड़कर महिला को अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने महिला का पोस्टमार्ट्म कराने के साथ ही मामले को जांच में लिया है। पुलिस ने महिला के मायके पक्ष को भी इंदौर आने को कहा है। पुलिस के मुताबिक मृतक महिला का नाम शैलजा द्विवेदी (27)

के पति तरुणेंद्र है। तरुणेंद्र पीथमपुर की एक निजी कंपनी में क्वालिटी मैनेजर हैं। वे राऊ की नंद विहार कॉलोनी में रहते हैं। तरुणेंद्र ने बताया कि वे रोज की तरह शनिवार सुबह कंपनी में चले गए थे। उन्हें मकान मालिक की पत्नी सुषमा ने कॉल कर जानकारी दी। सुषमा ने उन्हें बताया कि शैलजा का मोबाइल बज रहा था। उस पर कई कॉल आ रहे थे, लेकिन वह उठा नहीं रही थी। सुबह से कमरे का दरवाजा भी नहीं खुला। इसलिए सुषमा शैलजा के पास पहुंची। दरवाजा बजाकर शैलजा को बुलाया, लेकिन वह बाहर नहीं निकली। तब उन्होंने पति तरुणेंद्र को कॉल कर घर आने को कहा। सभी लोगों ने मिलकर दरवाजा तोड़ा और शैलजा को अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डेढ़ साल पहले हुई शादी, पहले से आते थे चक्कर

तरुणेन्द्र ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ साल पहले दोनों की शादी हुई। वह पहले गुजरात की कंपनी में काम करते थे। 1 मार्च को ही कंपनी बदलने के बाद इंदौर शिफ्ट हुए। तरुणेंद्र रीवा के रहने वाले हैं, जबकि शैलजा रीवा के पास के ही एक गांव की रहने वाली थी। तरुणेंद्र ने पुलिस को बताया कि शादी के पहले से ही शैलजा को चक्कर आते थे। मायके वालों ने भी उसका इलाज कराया था।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 18 मार्च , 2024

संपादकीय | पेट्रोल -डीजल की कीमतों में कटौती

चुनाव नजदीक आने पर सरकारों की तरफ से लोकलुभावन योजनाओं-परियोजनाओं के अनावरण, वस्तुओं की कीमतों में कमी आदि की घोषणाएं करना कोई नई बात नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपए प्रति लीटर की कटौती भी इसी रणनीति का हिस्सा कही जा सकती है। इस पर स्वाभाविक ही विपक्षी दल तंज कस रहे हैं। मगर सरकार की नजर में शायद यह सिर्फ संयोग की बात हो। पिछले दो वर्ष से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं।

हालांकि इस बीच कई बार कच्चे तेल की कीमतों में उतार देखा गया, उसके मद्देनजर मांग की जाती रही कि पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें में कटौती की जानी चाहिए। मगर तब सरकार ने तर्क दिया था कि तेल के दाम में कटौती इसलिए नहीं की जाएगी, ताकि इससे तेल कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई हो सके। पहले के नियम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव किया जाता था। मगर सरकार ने इस तर्क के साथ तेल की कीमतों का निर्धारण खुद से करना शुरू कर दिया था कि कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर तेल कंपनियों को जो कमाई होगी, उससे उन्हें अपना तेल का भंडार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

तेल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई पर भी पड़ता है। इससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, कृषि कार्य में उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे बाजार में वस्तुओं की कीमतें कई बार काबू से बाहर चली जाती हैं। इसलिए महंगाई पर काबू पाने के लिए तेल की खुदरा कीमतें संतुलित करने के सुझाव दिए जाते हैं। मगर विचित्र है कि

खुदरा महंगाई चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाने के बावजूद सरकार ने तेल की कीमतों को कम करने पर विचार नहीं किया। सबसे अधिक आरोप तेल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को लेकर उठता रहा है। खुदरा तेल की कीमतें इसलिए ऊंचे स्तर तक पहुंच गई हैं कि इस पर राज्य और केंद्र सरकार ऊंची दर से उत्पाद शुल्क वसूलती हैं।

केंद्र सरकार एकमुश्त प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लेती है, जिसे कम करने की मांग अनेक मौकों पर उठाई जाती रही, मगर एकाध मौकों पर उसमें कटौती की गई तो वह भी चुनाव का मौका था। मसलन, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के वक्त केंद्र सरकार ने अपने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। जब केंद्रीय उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी की गई थी, तब भी यही तर्क दिया गया कि उस शुल्क का उपयोग तेल भंडारण बढ़ाने में किया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में तेल की कीमतों पर काबू पाया जा सके। मगर वह भंडारण कितना हो पाया, इसका भी कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

इनकी कीमतें बढ़ने से उनके मासिक खर्च में बढ़ोतरी हो जाती है। सरकार के ताजा फैसले से निस्संदेह आम लोगों को कुछ राहत मिलेगी, मगर यह कटौती पिछली बढ़ोतरियों की तुलना में इतनी कम है, कि उनकी जेब पर बहुत सकारात्मक असर नहीं पड़ने वाला। ज्यादातर राज्यों में खुदरा पेट्रोल-डीजल की कीमतें सौ रुपए प्रति लीटर के पार या करीब पहुंच चुकी हैं। उसमें दो रुपए की कटौती ऊंट के मुंह में जीरा जैसा ही साबित होगा। इसलिए, अगर सरकार ने चुनाव के मद्देनजर यह फैसला किया है, तो शायद ही उसे इसका कोई बड़ा लाभ मिले।

सोशल मीडिया से...

देश में लोकसभा चुनाव की तारीख़ों का ऐलान हो गया है। ये लोकतंत्र का महापर्व है। मेरी सभी देशवासियों से अपील है कि इस बार तानाशाही के ख़िलाफ़ वोट करें, गुंडागर्दी के ख़िलाफ़ वोट करें। आम आदमी पार्टी लोगों के असल मुद्दों पर काम करती है, जनता को सहूलियतें देती है। जहाँ-जहाँ आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार चुनावी मैदान में लड़ रहे हैं वहाँ झाड़ू पर वोट देकर हमारे हाथ मज़बूत करें ताकि हम और अधिक ऊर्जा से आपके लिए काम कर सकें।
अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

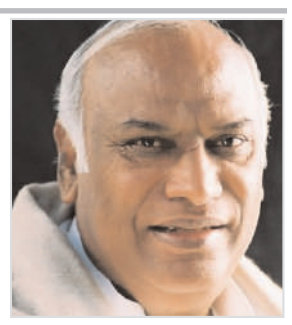

2024 लोकसभा चुनाव भारत के लिए 'न्याय का द्वार' खोलेगा। लोकतंत्र एवं संविधान को तानाशाही से बचाने का शायद ये आख़री मौक़ा होगा। 'हम भारत के लोग' साथ मिलकर नफ़रत, लूट, बेरोज़गारी, महँगाई व अत्याचार के ख़िलाफ़ लड़ेंगे।
मल्लिकार्जुन खड़गे, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष

आज मुंबई में INDIA गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ बैठक के बाद श्री शरद पवार, श्री केसी वेणुगोपाल, श्री मुकुल वासनिक, श्री बालासाहेब थोरात, श्री रमेश चेन्निथला एवं अन्य नेतागणों के साथ नेहरू सेंटर का अवलोकन किया।
अशोक गहलोत ,
राजस्थान विधान सभा के सदस्य

इस बार घोषित हुई लोक सभा चुनावों की तिथियों और सात चरणों का देश की जनता और हम सब मिलकर विशेष हर्षोल्लास के साथ अभूतपूर्व स्वागत करते हैं क्योंकि ये सात चरण दरअसल दुख, दर्द और दमन का प्रतीक बन चुकी भाजपा सरकार की सात चरणों में हो रही विदाई की क्रोनोलॉजी है! सातों चरण हराओ, भाजपा हटाओ!
अखिलेश यादव, उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य

आज का कार्टून

संघीय ढांचे और बहुदलीय लोकतंत्र के लिए खतरा है एक साथ चुनाव

संजय तिवारी

एक देश एक चुनाव के पक्षधर लोगों के पास इसके समर्थन में कहने के लिए कुछ खास नहीं है, सिवाय इस बात के कि ऐसा होने पर बहुत सारे संसाधन और समय की बचत होगी। या फिर ऐसा होने से देश में पांच साल तक राजनीतिक स्थिरता का माहौल रहेगा।

एक देश एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित समिति ने भी राष्ट्रपति को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कुछ खास तर्क प्रस्तुत नहीं किया है। समिति ने कुछ संवैधानिक संशोधन का सुझाव जरूर दिया है ताकि देश में एक साथ चुनाव संभव हो सके।

लेकिन ये संवैधानिक संशोधन अगर होते हैं तो सीधे तौर पर भारत के बहुदलीय लोकतंत्र और संघीय ढांचे को चुनौती पेश कर देंगे। मसलन कमेटी ने सुझाव दिया है कि एक देश एक चुनाव वाली व्यवस्था लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 और 356 में संशोधन करना होगा। संविधान के ये सभी अनुच्छेद सामान्यतया संसद और विधानसभाओं के कार्यकाल, राष्ट्रपति और राज्यपाल के संबंधित अधिकार और राष्ट्रपति शासन से संबंधित हैं।

स्वाभाविक है कि अगर एक देश एक चुनाव के फार्मुले पर चलना है तो संविधान के इन अनुच्छेदों में संशोधन करना होगा। यही वो प्रावधान हैं जो तकनीकी रूप से देश के बहुदलीय लोकतंत्र और संघीय ढांचे का बचाव करते हैं। जैसे अनुच्छेद 83 में संसद का कार्यकाल 5 वर्ष के लिए निर्धारित किया गया है।

इसी में राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल लगाने का भी प्रावधान है। लेकिन आपातकाल किसी भी परिस्थिति में एक वर्ष से अधिक नहीं हो सकता। मतलब राष्ट्रपति किसी विषम परिस्थिति में अगर संसदीय अधिकारों को अपने हाथ में लेकर स्वयं प्रशासनिक कार्य संचालित करते हैं तो भी उन्हें एक साल के भीतर संसद को पुनर्बहाल करना होगा।

अगर कभी ऐसी परिस्थिति आती है कि संसद में सत्ताधारी दल अपना बहुमत खो देता है तो भी संयुक्त दलों की सरकार के जरिए पांच साल का कार्यकाल पूरा किया जा सकता है। अगर ऐसी परिस्थिति नहीं बनती है तब दोबारा से आम चुनाव कराना राष्ट्रपति की मजबूरी बन जाएगा। लेकिन अगर यह संशोधन कर दिया जाए कि केन्द्र में चुनी हुई सरकार राजनीतिक अस्थिरता के कारण एक दो साल में ही गिर गयी तथा विपक्षी दलों की सरकार बना पाने की स्थिति नहीं है तो बाकी के तीन साल देश में राष्ट्रपति शासन ही रहेगा।

कमोबेश यही हालात राज्यों में भी हो जाएंगे। अगर किसी राज्य में पांच साल से पहले कोई सरकार गिरती है और दूसरे दल सरकार बना पाने की स्थिति में नहीं हैं तो वहां भी शेष अवधि के लिए राष्ट्रपति शासन ही रखना होगा। इसीलिए कोविंद कमेटी अनुच्छेद 172 और 174 में संशोधन का सुझाव दे रही है। ऐसा करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 356 में भी संशोधन करना होगा जो कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने से संबंधित है।

कुछ देर के लिए मान लिया जाए कि केन्द्र में बैठी कोई सरकार ये सभी संवैधानिक संशोधन करके एक देश एक चुनाव को लागू कर देती है तब संसद की बजाय राष्ट्रपति के पास असीमित शक्तियां केन्द्रित हो जाएंगी। यह सीधे तौर पर देश में बहुदलीय लोकतंत्र की बजाय राष्ट्रपति शासन या प्रेसिडेन्ट रुल को बढावा देने जैसा होगा। कानून बनाने की जो शक्ति अभी पांच साल संसद और विधानसभाओं के पास रहती है वो विषम परिस्थिति आने पर या तो राष्ट्रपति के पास केन्द्रित हो जाएगी या फिर उस शेष अवधि के लिए कानून बनाने का काम ही रुका रहेगा।

यहां एक समस्या और दिखती है। जो लोग आज यह तर्क दे रहे हैं कि लगातार चुनाव से राष्ट्र के संसाधनों पर बोझ बढ़ता है वो इस बात को नहीं समझ पाते कि चुनाव लोकतंत्र को जीवंत रखते हैं। अगर मध्यावधि चुनाव की परिस्थिति कभी आती भी है तो इसे बोझ मानने की बजाय राजनीतिक कमजोरी मानना चाहिए कि वो अपने निजी स्वार्थ के लिए जनता के पैसे का दुरुपयोग करके बार बार चुनाव में चले जाते हैं। सत्तर और नब्बे का दशक छोड़ दें तो बाकी के पचास साल भारत की जनता और नेताओं ने राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है और स्थिर सरकारों को ही चुना है।

लेकिन स्थिर सरकारों के साथ एक समस्या और पैदा होती है कि कोई एक दल जब लंबे समय तक शासन में रहता है तो उसके भीतर सत्ता का अहंकार और अधिनायकवादी प्रवृत्ति पनपने लगती है। ऐसी स्थिति में एक दल भले उसे चुनौती न दे सके लेकिन दलों का गठबंधन बनाकर ही ऐसे एकदलीय अधिनायकवाद को समाप्त किया जाता है।

इंदिरा गांधी के आपातकाल के विरुद्ध जनता पार्टी की अगुवाई में बना गठबंधन हो या राजीव गांधी के प्रचंड बहुमत के खिलाफ वीपी सिंह की अगुवाई में बना गठबंधन हो। दोनों ही समय में कोई एक दल सत्ताधारी दल को चुनौती नहीं दे सकता था इसलिए संयुक्त रूप से मिलकर इंदिरा गांधी की अधिनायकवादी या फिर राजीव गांधी की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंका था।

ऐसी परिस्थिति में मध्यावधि चुनाव जरूर हुए लेकिन वो लोकतंत्र की कमजोरी नहीं बल्कि उसकी मजबूती की निशानी थे। अगर एक देश एक चुनाव वाला नियम होता तो लोकतंत्र का ऐसा जीवंत चरित्र कभी सामने नहीं आता। परंतु इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि दोनों ही मौकों पर विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रही जनसंघ/भाजपा ही आज %एक देश एक चुनाव% की मुखर वकालत कर रही है।

एक देश एक चुनाव का एक संकट और है। वह यह कि यह भारत के संघीय ढांचे पर भी प्रहार करता है। खतरा सिर्फ चुनी हुई सरकारों को हटाकर एकसाथ चुनाव करा लेने का ही नहीं होगा। जो लोग आज चुनावी खर्चे की बात कर रहे हैं कल को वो अलग-अलग विधानसभाओं के अस्तित्व पर भी सवाल खड़ा कर सकते हैं। जब एक केन्द्रीय कानून ही पूरे देश में लागू होता है तब हर राज्य में कानून बनाने के लिए विधानसभा औचित्य पर भी सवाल उठाया जा सकता है। एक देश एक चुनाव के समर्थक कल को यह सवाल भी उठा सकते हैं कि जब सारा कार्य नौकरशाही के जरिए ही होना है तो अलग अलग राज्यों में विधायकों, मंत्रियों, सरकारों का खर्च उठाने की जरूरत क्या है? जहां तक राज्यों से प्रतिनिधित्व की बात है तो संसद का आकार बढाकर हर राज्य के प्रतिनिधित्व को केन्द्र में ही बढा दिया जाएगा। ऐसा होने पर राज्य सरकारों का लाखों करोड़ का खर्चा बचेगा जो देश के विकास में इस्तेमाल होगा। फिर यही लोग यह तर्क भी दे सकते हैं कि देश में द्विदलीय शासन प्रणाली लाई जाए ताकि छोटे दलों की किचकिच से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाए। क्योंकि अगर एक देश एक चुनाव के जरिए स्थिर सरकारों की ओर बढना ही है तो आज नहीं तो कल देश में द्विदलीय शासन व्यवस्था को लागू करना ही पड़ेगा। बिना इसके एक देश एक चुनाव के जरिए पांच साल तक स्थिर सरकार दे पाना संभव ही नहीं होगा।

इसलिए यह समझने की जरूरत है कि एक देश एक चुनाव को जिस तरह से दिखाया जा रहा है, उसका चरित्र वैसा है नहीं। इसे लागू करने पर भारत के उस संघीय ढांचे और बहुदलीय लोकतंत्र के सामने चुनौती खड़ी हो जाएगी जिसे आज से 75 साल पहले अंगीकार किया गया था। बार बार होनेवाले चुनाव को नियंत्रित करने का वह तरीका नहीं हो सकता जो एक देश एक चुनाव के नाम पर सुझाया जा रहा है।

अगर बार-बार के चुनावी खर्चे से बचना है और स्थिर सरकारों की ओर आगे बढना है तो राजनीतिक नेतृत्व को यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेनी होगी। येन केन प्रकारेण सरकार बनाने का लोभ, दूसरे दलों में तोड़ फोड़ या विपक्ष के अस्तित्व को समाप्त करने का प्रयास मध्यावधि चुनावों का बड़ा कारण बनते हैं। अगर देश में राजनीतिक स्थिरता चाहिए तो राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेवारी बनती है कि वो ऐसा जिम्मेदार व्यवहार करें कि जनता का उन पर भरोसा बने। एक देश एक चुनाव जैसे चुनावी जुमलों से लोकतंत्र का वह लक्ष्य हासिल नहीं होगा जिसका दिवास्वप्न दिखाया जा रहा है।

> एक देश एक चुनाव का एक संकट और है। वह यह कि यह भारत के संघीय ढांचे पर भी प्रहार करता है। खतरा सिर्फ चुनी हुई सरकारों को हटाकर एकसाथ चुनाव करा लेने का ही नहीं होगा। जो लोग आज चुनावी खर्चे की बात कर रहे हैं कल को वो अलग-अलग विधानसभाओं के अस्तित्व पर भी सवाल खड़ा कर सकते हैं। जब एक केन्द्रीय कानून ही पूरे देश में लागू होता है तब हर राज्य में कानून बनाने के लिए विधानसभा औचित्य पर भी सवाल उठाया जा सकता है। एक देश एक चुनाव के समर्थक कल को यह सवाल भी उठा सकते हैं कि जब सारा कार्य नौकरशाही के जरिए ही होना है तो अलग अलग राज्यों में विधायकों, मंत्रियों, सरकारों का खर्च उठाने की जरूरत क्या है? जहां तक राज्यों से प्रतिनिधित्व की बात है तो संसद का आकार बढाकर हर राज्य के प्रतिनिधित्व को केन्द्र में ही बढा दिया जाएगा। ऐसा होने पर राज्य सरकारों का लाखों करोड़ का खर्चा बचेगा जो देश के विकास में इस्तेमाल होगा।

जीवन विरोधाभास की सुंदरता के अलावा और कुछ नहीं है

जीवन में कई बार ऐसा समय आता है जब हम अपनी दिशा खो देते हैं। यह जानना भी बहुत दर्दनाक या भारी लग सकता है कि कहां से शुरू करें। उदाहरण के लिए, जब हम अपने जीवन को कागज पर देखते हैं, तो सोच सकते हैं कि यह बहुत अच्छा है। हम अपेक्षाकृत स्वस्थ हैं, स्थिर आय है, हमारे सिर पर छत है और मेज पर भोजन है। परिवार और दोस्त हैं, जिनके साथ हम संपर्क में रहते हैं और अगर हमें वास्तव में किसी चीज की जरूरत हो तो उन्हें पुकार सकते हैं। जैसे-जैसे दिन बीतते हैं, यह सब यांत्रिक होता चला जाता है। सब कुछ होने के बाद भी हमें लगता है अभी भी कुछ ऐसा बाकी रह गया है, जिसकी हमें तलाश है। हम खुद को एक चौराहे पर महसूस करते हैं और सोचते हैं कि अपने जीवन को किस दिशा में और कैसे आगे बढ़ाया जाए। मगर यह व्याकुलता और छटपटाहट हमें आगे का रास्ता देखने में मदद करने के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं है। जब ऐसी स्थिति में स्वयं को पाएं तो अपने आप को जांचने का यह सही समय है कि हम कहां हैं? भले ही हमें लगता है कि चीजें वास्तव में बहुत अच्छी चल रही हैं, लेकिन अगर हम केवल झांकने भर के लिए रुकेंगे तो हमें यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि वाकई कुछ कमी है। यह महत्त्वपूर्ण है कि पटरी पर रहना इस बात पर निर्भर करता है कि हम अपने जीवन के बारे में अंदर से कैसा महसूस करते हैं, न कि बाहर से। और यहीं पर हमारे जीवन-मूल्य काम आते हैं। यहां मूल्यों और लक्ष्यों के बीच अंतर जानना महत्त्वपूर्ण है। लक्ष्य वे चीजें हैं जो हमारी कार्य सूची में होती हैं, ताकि हम आखिर उन्हें पार कर सकें। दूसरी ओर, मूल्य कभी हासिल नहीं होते। अगर हम नहीं जानते कि हम जिस दिशा में जा रहे हैं, वह हमारे लिए सही है या नहीं, तो हम मार्गदर्शन के लिए अपने मूल्यों की ओर देख सकते हैं। मूल्य हमारे जीवन में अर्थ भरने के लिए स्पष्टता लाकर हमें मुक्ति दिलाने में मदद करते हैं और हमें महत्त्वपूर्ण काम करने में मदद करते हैं, भले ही वे कठिन हों। जीवन विरोधाभास की सुंदरता के अलावा और कुछ नहीं है। कभी-कभी हम अपना जीवन उस तरह नहीं जीते हैं जैसा हम चाहते हैं, बल्कि उस तरह जीते हैं, जैसे हमसे अपेक्षा की जाती है। समाज हमें समय-सीमा के बक्से में डालने की कोशिश करता है। हमसे अपेक्षा की जाती है कि हम इसमें 'फिट' होने के लिए एक निश्चित तरीके से जीयें। मगर क्या होगा अगर हम अब और 'फिट' नहीं होना चाहते? समय-सीमा सभी के लिए समान रूप से काम नहीं करती। हम सभी एक मानव-संबंधों की दुनिया में रहते हैं, कुश्ती के अखाड़े में नहीं, जहां हमें जीतने के लिए एक-दूसरे को पटखनी देनी होती है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उस व्यक्ति के रूप में विकसित होने के लिए पर्याप्त जगह है, जैसा वह बनना चाहता है। किसी को भी अपने लिए यह निर्णय न लेने दें कि हम क्या बनना चाहते हैं। अपनी खुद की धूप बनें। उस व्यापक जीवन क्षेत्र की पहचान करें जिस पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हमारे पास चुनने के लिए बहुत कुछ है। हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिकता, दोस्ती, रोमांटिक रिश्ते, काम, पर्यावरण, अपने समुदाय में योगदान आदि को महत्त्व दे सकते हैं। सूची बहुत लंबी है। यह चुनने में न उलझा जाए कि कौन-सा क्षेत्र हमारे लिए 'सबसे महत्त्वपूर्ण' है। एक क्षेत्र को महत्त्व देने का मतलब यह नहीं है कि दूसरा महत्त्वहीन है। लक्ष्य यथासंभव अधिक से अधिक मूल्य रखना नहीं है, बल्कि उन चीजों की पहचान करना है जो हमारे जीवन में सबसे अधिक सार्थकता लाएंगी। अब जब हमने कुछ मूल्यों को उजागर और स्पष्ट कर लिया है, तो अगला कदम उन गतिविधियों की पहचान करना होना चाहिए, जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हैं। यह याद रखने की बात है कि हम अपने मूल्यों को अपने कार्यों की सूची में नहीं रख सकते हैं, लेकिन उन कार्यों को अपने कार्यों की सूची में रख सकते हैं जो हमारे मूल्यों के अनुरूप हों।

चीन में लोकतंत्र नहीं, इसलिए उसकी भारत जैसे मूल्यों वाले देश से तुलना सही नहीं, सीतारमण की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की तुलना चीन से करने वालों की आलोचना करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत जैसे मूल्यों वाले देश की तुलना चीन से करना सही नहीं, क्योंकि चीन में लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा है कि भारत को आर्थिक मामलों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। इसे आर्थिक शक्ति बनना चाहिए।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने के लिए वर्तमान में आर्थिक स्वतंत्रता की आवश्यकता है और आश्वासन दिया कि देश निकट भविष्य में विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

श्रीमती इंदिरा गांधी कॉलेज में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद सीतारमण ने कहा, देश वैश्विक रैंकिंग में 10वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गया है और कुछ साल बाद हम तीसरा स्थान हासिल करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित छात्रों से राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने की अपील करते हुए कहा, आप जैसे छात्रों के प्रयासों से हमारा देश 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा।

कुछ लोगों की ओर से चीन की प्रगति और भारत के साथ तुलना करने का जिक्र करते हुए सीतारमण ने कहा कि दोनों देश 30 साल पहले एक स्तर पर थे। उन्होंने कहा, उन्होंने (चीन) विभिन्न कारणों से प्रगति की है, जिसका यहां पालन नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए, चीन में कोई लोकतंत्र नहीं है। लेकिन हमारे पास नागरिक स्वतंत्रता है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता यहां है और हमारी प्रणाली में मूल्य निहित हैं। एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए, हमें सकारात्मक रूप से सोचना चाहिए।

सीतारमण ने करीब 400 साल पहले भारत के एक समृद्ध देश होने का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी इंडोनेशिया और अन्य पूर्वी एशियाई देशों में भारत के संबंधों का संदर्भ मिलता है। चोल इंडोनेशिया गए थे और वहां एक राज्य स्थापित किया था। आज भी इसके संदर्भ मौजूद हैं।

सीतारमण ने कहा कि मैं यह कहने का प्रयास कर रही हूं कि आज के दिन जब हम महात्मा गांधी को याद करते हैं, हमें आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करनी चाहिए और साम्राज्यवादी ताकतों से मुक्त होना चाहिए। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाषणों में आपके (छात्रों के) सभी योगदान के साथ देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत (अभियान) के बारे में बात करते हैं।

डिजिटल प्रौद्योगिकी के मामम्रें दुनिया हमें उदाहरण के तौर पर देख रही

भारत को पारंपरिक रूप से संस्कृति में समृद्ध बताते हुए उन्होंने कहा कि कई लोगों ने इस देश की विरासत की सराहना की है। सीतारमण ने कहा, करीब 20 साल पहले कई देश टिप्पणी कर रहे थे कि भारत सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है। लेकिन आज दुनिया के अधिकांश राष्ट्र यह देखकर चकित हैं कि हमने डिजिटल प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके कैसे प्रगति की है। वे डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने में भारत को एक उदाहरण के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत से अध्यक्षता लेने वाले ब्राजील के एक शीर्ष मंत्री ने भी अपने देश में डिजिटल प्रौद्योगिकी अवसंरचना के मामले में भारत से मेल पर संदेह जाहिर की थी। सीतारमण ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी का मतलब भुगतान से जुड़ी सुविधाओं के बारे में नहीं है बल्कि यह कोविड-19 महामारी के दौरान हुई क्रांति के बारे में भी है जब मोबाइल फोन के माध्यम से टीकाकरण की स्थिति से जुड़े डिजिटल प्रमाणपत्र जारी किए गए। उस दौरान आप अपने मोबाइल फोन में प्रमाण पत्र के साथ समय, तारीख, स्थान, और आपको कौन सा टीका दिया गया इसकी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, हम हर क्षेत्र में डिजिटल का इस्तेमाल कर रहे हैं। न केवल भुगतान के लिए, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी इसका इस्तेमाल हो रहा है। पिछले 10 वर्षों में भारत में कई विकास कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

महिलाएं खेतों में ड्रोन चलाकर डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहीं

वित्त मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अपने खेतों के विकास के लिए ड्रोन चलाकर डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा, जबकि किसी महिला का भाई खेतों में ट्रैक्टर चलाता है, महिला ड्रोन का उपयोग करके उर्वरक फैलाती है। इतना ही नहीं, वे अपने उत्पाद को अपने फोन से वैश्विक बाजारों में भी बेच सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हर हिस्से का विकास करने के इच्छुक हैं और अपने कैबिनेट सहयोगियों से कहते रहे हैं कि भारत का मतलब केवल दिल्ली नहीं है। यही कारण है कि पिछले साल हमारे देश के हर राज्य में जी-20 सम्मेलन का आयोजन किया गया। सीतारमण ने कहा, वह (मोदी) चाहते थे कि हर राज्य को जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी का अनुभव मिले और यह केवल दिल्ली में नहीं होना चाहिए। वह देश भर में सभी लाभों को हर जिले तक पहुंचाने की बात करते हैं। यहां तक कि उन जिलों को भी विकसित किए जाने की आवश्यकता है जो आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं और इसी आधार पर

संक्षिप्त समाचार

जी एंटरटेनमेंट में तीन स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति को शेयरधारकों की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के शेयरधारकों ने कंपनी के निदेशक मंडल में तीन स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) के शेयरधारकों द्वारा डाक मतपत्र प्रक्रिया के माध्यम से उत्तम प्रकाश अग्रवाल, शिशिर बाबूभाई देसाई और वेंकट रमण मूर्ति पिनिसेट्टी की नियुक्ति की मंजूरी के लिए विशेष प्रस्तावों को बहुमत से पारित किया गया। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि सभी तीन विशेष प्रस्तावों को वैध मतों की कुल संख्या का 75 प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ। जील ने बयान में कहा, 15 मार्च 2024 को संपन्न दूरस्थ ई-वोटिंग प्रक्रिया का यह परिणाम कंपनी के निदेशक मंडल में शेयरधारकों के विश्वास को दर्शाता है।

गर्मियों में महंगा होगा फ्लाइट का सफर, 60 प्रतिशत तक बढ़ा किराया!

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्च में होली और गुड फ्राइडे जैसे लॉन्ग वीकेंड के अलावा अप्रैल-जून में गर्मी की छुट्टियों में हवाई यात्रियों की संख्या बीते साल से 30-40 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। ट्रैवल एजेंसियों और बुकिंग प्लेटफॉर्म्स के डेटा के मुताबिक, अप्रैल-जून के लिए सर्च और बुकिंग 150 फीसदी तक बढ़ गई है। इसके चलते अलग-अलग मार्गों पर हवाई किराया 10-60 फीसदी तक बढ़ गया है। मेकमायट्रिप के को-फाउंडर और ग्रुप सीईओ राजेश मागो के मुताबिक, गर्मियों में गोवा हमेशा की तरह फेवरेट डेस्टिनेशन है। इसके अलावा श्रीनगर उदयपुर, जयपुर, पुरी, वाराणसी के लिए भी बुकिंग बढ़ रही है। क्लियर ट्रिप के चीफ बिजनेस ऑफिसर प्रहलाद कृष्णमूर्ति ने बताया कि अप्रैल-जून में हवाई किराया और बढ़ सकता है। अप्रैल में मुंबई से दिल्ली के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट का किराया 5362-6469 रुपए के बीच है, जबकि मई के लिए इसी रूट का किराया करीब 40-60 फीसदी बढ़कर 7861-10629 हो गया है।

पीएनबी ग्राहकों के लिए जरुरी खबर, 19 मार्च से पहले कर लें ये काम वरना फ्रीज हो जाएगा खाता

नईदिल्ली, एजेंसी। राज्य के स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों से 19 मार्च, 2024 तक अपने ग्राहक को डिटेल अपडेट करने के लिए कहा है, ताकि वे अपने खातों को सुचारू रूप से संचालित कर सकें। यह भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप है, जहां उसने कहा था कि जिन ग्राहकों के खातों में केवाईसी अपडेट 31 दिसंबर, 2023 तक होना था, उन्हें इसे 19 मार्च, 2024 तक करना चाहिए। ग्राहकों को अपनी अपडेट जानकारी जैसे आधार कार्ड, पहचान प्रमाण, पता प्रमाण, हालिया फोटो, पैन, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि उपलब्ध नहीं है) या कोई अन्य केवाईसी जानकारी अपनी आधार ब्रांच को देनी होगी।

मदर डेयरी दो नए प्रोसेसिंग प्लांट बनाएगी

650 करोड़ खर्च करेगी, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी इन्वेस्टमेंट कर रही कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन में प्रमुख दूध सप्लायर मदर डेयरी दो और नए प्लांट्स बनाने के लिए करीब 650 करोड़ रुपए इन्वेस्ट करने जा रही है। नए प्लांट में कंपनी दूध और फलों को प्रोसेस करेगी। कंपनी इससे बढ़ती मार्केट डिमांड को पूरा करेगी। इसके अलावा मदर डेयरी अपनी मौजूदा प्लांट की कैपेसिटी बढ़ाने के लिए 100 करोड़ और इन्वेस्ट करेगी।

मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष बंदलिश ने कहा, हम अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और कस्टमर्स तक पहुंच बढ़ाने के लिए अपने प्रमुख जगहों पर

अपनी डेयरी और फल और सब्जियां प्रोसेसिंग कैपेसिटीज के विस्तार के लिए 750 करोड़ रुपए खर्च करने वाले हैं।

नागपुर में 525 करोड़ की लागत से डेयरी प्लांट बना रही कंपनी

मनीष ने बताया कि कंपनी लगभग 525 करोड़ के इन्वेस्टमेंट से महाराष्ट्र के नागपुर में एक बड़ा डेयरी प्लांट लगा रही है। इस प्लांट में रोजाना 6 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग होगी, जिसे बाद में बढ़ाकर 10 लाख लीटर किया जाएगा। यह प्लांट देश के साउदर्न रीजन में सर्विस प्रोवाइड। कंपनी अपने ब्रांड को कर्नाटक में भी बढ़ा रही है। स्टेट में मदर डेयरी एक नया फ्रूट प्रोसेसिंग प्लांट शुरू करने की भी प्लानिंग कर रही है।

मदर डेयरी के पास फिलहाल 9 प्रोसेसिंग प्लांट्स

मदर डेयरी के पास फिलहाल 9 प्रोसेसिंग प्लांट्स हैं। जिसकी डेली कैपेसिटी 50 लाख लीटर से ज्यादा है। कंपनी थर्ड-पार्टी प्लांट्स में भी प्रोसेसिंग करती है। हॉर्टिकल्चर सेगमेंट में कंपनी के अपने 4 प्लांट्स हैं। वहीं 15 सब्सिडियरी प्लांट में कंपनी एडिबल ऑयलका मैन्यूफैक्चरिंग करती है। 2022-23 में कंपनी का टर्नओवर 4,500 करोड़ रुपए वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का टर्नओवर 4,500 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी के मुताबिक, मौजूद वित्त वर्ष (2023-24) में कंपनी का ओवरऑल ग्रोथ 7त्न से 8त्न रहने की उम्मीद है।

3 दिन में 17 रु. सस्ता हुआ पेट्रोल

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले एक सप्ताह में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 बार बड़ी कटौती की गई है। पहले गुरुवार को देशभर में 2 रुपये की कटौती की गई तो शनिवार को लक्षद्वीप में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15.3 रुपये प्रति लीटर तक की कटौती की गई। दरअसल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने सुदूर द्वीपों तक ईंधन पहुंचाने के लिए विशेष बुनियादी ढांचा तैयार किया है। इसके लिए हुए खर्च की वसूली के लिए लागू अतिरिक्त शुल्क को हटाने से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी हुई है।

नारायण मूर्ति को इन्फोसिस के लिए अपनी बचत में से 10,000 रुपए दिए थे: सुधा मूर्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में राज्यसभा सांसद बनने वालीं सुधा मूर्ति ने शुक्रवार को वह समय याद किया जब उन्होंने पति एनआर नारायण मूर्ति को आईटी कंपनी शुरू करने के लिए शुरुआती पूंजी के रूप में 10,000 रुपये दिए थे। हालांकि सुधा मूर्ति ने कहा कि उन्होंने अपनी बचत में से 250 रुपए अपने पास रखने का फैसला किया था क्योंकि वह नारायण मूर्ति के पिछले नाकाम उद्यम के कारण 'जोखिम उठा रही थी। नारायण मूर्ति ने इसी पैसे से दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस की नींव रखी थी। सुधा मूर्ति ने बताया कि वर्ष 1981 में जब उनके पति ने उनसे कहा था कि वह एक सॉफ्टवेयर कंपनी शुरू करना चाहते हैं, तो उन्होंने तर्क दिया था कि दोनों के पास पहले से ही अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां हैं। उन्होंने कहा कि नारायण मूर्ति ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह उनकी मंजूरी के बिना आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, मेरे पास बचत के 10,250 रुपये थे। मैंने अपने लिए 250 रुपये बचाए और बाकी उन्हें दे दिए। वह अपने पिछले उद्यम सॉफ्ट्रॉनिक्स में विफल रहे थे, इसलिए मैंने जोखिम मोल लिया था। भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मूर्ति ने उन्हें अगले तीन वर्षों के लिए उतार-चढ़ाव भरे सफर के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, ''जब उन्होंने इन्फोसिस की शुरुआत की तो मेरी जिंदगी में काफी बदलाव आया, यह एक जिम्मेदारी थी, एक प्रतिबद्धता थी। मूर्ति ने कहा कि कंपनी बनाना कोई मजाक नहीं है, इसके लिए बहुत सारे बलिदान की जरूरत पड़ती है। राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने पर उन्होंने कहा, 73 साल की उम्र में यह एक नया अध्याय है लेकिन सीखने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है।

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले वर्ष रिकॉर्ड एक लाख पेटेंट प्रदान किए, जीआई पंजीकरण में भी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पेटेंट कार्यालय ने एक वर्ष के भीतर अभूतपूर्व एक लाख पेटेंट प्रदान किये हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अकेले वित्तीय वर्ष 2023-24 में, पेटेंट कार्यालय को अब तक के उच्चतम 90,300 पेटेंट आवेदन प्राप्त हुए। पेटेंट कार्यालय ने पिछले 1 वर्ष (15-मार्च-2023 से 14-मार्च-2024) में एक लाख से अधिक पेटेंट प्रदान किए।

मंत्रालय ने कहा कि प्रत्येक कार्य दिवस पर 250 पेटेंट दिए गए। पेटेंट अनुदान के साथ-साथ, जीआई पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना वृद्धि दर्शाती है। वर्तमान में, भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 98 नए पंजीकरण के साथ 573 पंजीकृत जीआई हैं। इसके अतिरिक्त, कॉपीराइट पंजीकरण रिकॉर्ड तोड़ 36,378 तक पहुंच गया है, जो रचनात्मक क्षेत्र के भीतर विशाल संभावनाओं को रेखांकित करता है। डिजाइन के क्षेत्र में, वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक की सबसे अधिक संख्या में पंजीकरण हुए। साथ ही कुल 27,819, साथ ही 30,450 आवेदनों का अंतिम निपटान हुआ। जम्मू-कश्मीर एससीईआरटी और भारतीय आईपी कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित टॉयकैथॉन जैसी उल्लेखनीय पहल ने जम्मू-कश्मीर के स्कूली छात्रों द्वारा 115 उपन्यास डिजाइनों के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है।

ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री ने भी सुरक्षा में तेजी लाने के अपने प्रयासों को दोगुना कर दिया है और ट्रेडमार्क आवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर परीक्षा रिपोर्ट जारी करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके समानांतर में, राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अकादमी (एनआईपीएएम) ने पिछले दो वर्षों में 7,000 से अधिक संस्थानों में 24 लाख युवाओं, विशेष रूप से छात्रों और शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करके आईपी जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह घोषणा पेटेंट नियम, 2024 की आधिकारिक अधिसूचना के साथ मेल खाती है, जो पेटेंट अभियोजन और रखरखाव प्रक्रियाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से कई प्रावधान पेश करती है।

30 साल पहले जापान के सामने कहीं नहीं टिकते थे हम, आज उससे आगे निकलने की दहलीज पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की इकॉनमी तेजी से आगे बढ़ रही है और माना जा रहा है कि कुछ ही समय में जापान हमसे पीछे छूट जाएगा। अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है जबकि जापान हाल में जर्मनी से पिछड़कर चौथे नंबर पर पहुंचा है। भारत की इकॉनमी जहां रॉकेट की स्पीड से बढ़ रही है वहीं जापान बमुश्किल से मंदी से बचा है। लेकिन आज से 30 साल पहले जापान दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी था और भारत उसके सामने कहीं नहीं टिकता था। 1993 में जापान की इकॉनमी का साइज 4.54 ट्रिलियन डॉलर था जो 2023 में घटकर 4.23 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। दूसरी ओर 1993 में भारत की इकॉनमी का साइज महज 280 अरब डॉलर था जबकि 2023 में यह 3.73 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया।

जापान की इकॉनमी किसी जमाने में रॉकेट की स्पीड से भाग रही थी और माना जा रहा था कि वह अमेरिका को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ी इकॉनमी बन जाएगा। लेकिन 1990 के दशक की शुरुआत में देश की इकॉनमी में सुस्ती का ऐसा दौर आया कि वह आज तक इससे उभर नहीं पाया है। साल 2010 में जापान को पछाड़कर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन गया। पिछले साल जर्मनी के भी जापान को चौथे नंबर पर धकेल दिया। बैंक ऑफ जापान ने स्पेंडिंग और इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए साल 2016 में निगेटिव इंटरेस्ट रेट शुरू किया था और तबसे इसमें बदलाव नहीं किया है। इससे दुनियाभर के निवेशकों के लिए येन आकर्षित नहीं रह गया है। इससे येन की वैल्यू में और कमी आई है।

भारत की इकॉनमी

दुनिया के कई बड़े देश मंदी की समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन भारत की इकॉनमी रॉकेट की स्पीड से बढ़ रही है। ढुल्स्न का कहना है कि 2026 में भारत जापान से आगे निकल जाएगा और फिर 2027 में वह जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन जाएगा। मगर जापान और जर्मनी की इकॉनमी जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, उससे लग रहा है कि भारत को टॉप तीन में पहुंचने में इतना लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले साल भारत की इकॉनमी बड़े देशों में सबसे तेजी से बढ़ी थी और अगले दो साल भी यही स्थिति रहने का अनुमान है। भारत में युवाओं की एक बड़ी आबादी है और माना जा रहा है कि उसे अगले कई साल तक डेमोग्राफिक डिविडेंड का फायदा मिलता रहेगा।

फोर्ब्स के मुताबिक अमेरिका 27.974 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी बना हुआ है। चीन 18.566 ट्रिलियन डॉलर के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश जर्मनी इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। उसकी इकॉनमी का साइज 4.73 ट्रिलियन डॉलर है।

फर्जी कलाकृतियों को करोड़ों में बेचने का चल रहा था गोरखधंधा, ईडी ने मुंबई में छह जगहों पर मारे छापे

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई में फर्जी कलाकृतियों का कथित तौर पर व्यापार करने और फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले एक गिरोह के खिलाफ छह स्थानों पर छापेमारी की है। जिनमें यह कार्रवाई की गई हैं उनमें कई प्रमुख कला दीर्घाएं और लोग शामिल हैं।

ईडी ने एक बयान में कहा कि उसने राजेश राजपाल और अन्य से जुड़े एक मामले में 13 मार्च को मुंबई में छह स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली। बयान के अनुसार तलाशी के दौरान डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए और जब्त की गई वस्तुओं ने नकली कलाकृति का व्यापार, नकली प्रामाणिकता और उद्गम प्रमाण पत्र बनाने और नकदी के माध्यम से धन हस्तांतरित करने सहित कार्टेल के संचालन का उजागर किया। जिसमें प्रमुख कला दीर्घाओं और व्यक्तियों की भागीदारी सामने आई है। ईडी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत ताड़देव पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी। इस मामले में पुनीत भाटिया नामक एक वयक्ति ने आरोप लगाया था कि राजपाल और विश्वंग देसाई ने जाली और नकली प्रमाणपत्रों के साथ नकली पेंटिंग्स की बिक्री की। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनसे 17.9 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने की साजिश रची गई। तलाशी के दौरान, ईडी ने दक्षिण मुंबई की एक प्रमुख आर्ट गैलरी, जाने-माने कॉरपोरेट वकीलों और सर्राफा व्यापारियों से जुड़े एक गिरोह का पता लगाया, जिसमें मूल चित्रों की नकली कलाकृति को असली बताकर बेच देते थे। इनमें जामिनी रॉय, एमएफ हुसैन, एफएन सूजा, जहांगीर सबावाला, एसएच रजा, एनएस बेंद्रे, राम कुमार और अन्य जानेमाने कलाकारों की कृतियां शामिल थीं। मनी ट्रेल से पता चला है कि प्राप्त राशि घरेलू हवाला ऑपरेटरों द्वारा कार्टेल के सदस्यों को कमीशन या मुफ्त और रियायती कलाकृति के रूप में भेजी गई थी।

अमेरिका अडानी समूह के खिलाफ घूस देने की आशंका की जांच कर रहा, कंपनी ने कहा– हमें जानकारी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने भारत के अडानी समूह की अपनी जांच का दायरा बढ़ाया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कंपनी के संस्थापक गौतम अडानी और कंपनी रिश्वतखोरी में शामिल हैं या नहीं। ब्लूमबर्ग न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में मामले के बारे प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से दावा किया गया है कि अभियोजक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या गौतम अडानी सहित अडानी समूह की किसी इकाई या कंपनी से जुड़े लोगों ने एक ऊर्जा परियोजना के लिए भारत में अधिकारियों को भुगतान किया है? रिपोर्ट के अनुसार न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की धोखाधड़ी इकाई यह जांच कर रही है। इसके साथ ही भारतीय अक्षय ऊर्जा कंपनी एज्यूर पावर ग्लोबल पर भी नजर रखी जा रही है। अडानी समूह ने इस मामले में बताया, हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है।

अडानी समूह के शेयरों और बांडों में पिछले साल की शुरुआत में बड़े पैमाने पर बिकवाली देखी गई थी। उस समय अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें समूह पर खातों में गड़बड़ी, स्टॉक्स में हेरफेर और टैक्स हेवन के उपयोग का आरोप लगाया गया था। हालांकि, भारतीय कंपनी ने इन आरोपों से इनकार करती रही है।

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

हमारे देश में मुख्य रूप से लौकी, करेला, कद्दू, खीरा, तरबूज, खरबूज, घीया, टिण्डा, परवल को ग्रीष्म व वर्षाऋतु में उगाते हैं. इन सब्जियों पर रोग व कीड़ों के आक्रमण से काफी नुकसान होता है यदि इन व्याधियों को समय पर नियंत्रित कर दिया जाये तो उत्पादन को 15-20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है. कद्दूवर्गीय सब्जियों में लगने वाले प्रमुख रोग कीट व उनका नियंत्रण इस प्रकार किया जा सकता है.

कद्दूवर्गीय सब्जियां और कीट- बीमारियां

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख कीट-

कद्दू का लाल गिडार- लाल रंग का उड़ने वाला यह कीट शिशु पौधों की पत्तियों को खाकर छलनी जैसे छिद्र कर देता है जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है फलों में भी यह छेदकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान 50 ई.सी. या ऐसीफेट 75 एस.पी. के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करना चाहिए.

फलवेधक मक्खी

कीट का मैगट फलों एवं बेलों को खाते हैं जिससे बेल में गांठे बन जाती हैं. मादा मक्खी अपने अंडरोपक की सहायता से फलों की ऊपरी सतह में छिद्र करने के पश्चात अंडरोपण करती है जिससे वहां फल की सतह के ऊपर रस जमकर एक भूरे रंग का धब्बा बन जाता है और अंत में फल सड़ जाते हैं. कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान या डाइमिथियेट 30 ई.सी. का 0.1 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करना चाहिए.

माहू- इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों पत्तियों से रस चूसकर उन्हें कमजोर करते हैं साथ ही विशेष प्रकार का मधुस्त्राव पत्तियों पर छोड़ते हैं जिस पर बाद में फफूंद लग जाने से वह स्थान काला रंग का हो जाता है. यह कीट मोजेक रोग को रोगी पौधे से स्वस्थ पौधे तक फैलाते हैं नियंत्रण हेतु ऑक्सीडिमेटान मिथाइल 25 ई.सी. अथवा डाइमिथियेट 30 ई.सी. 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये.

कद्दूवर्गीय सब्जियों के प्रमुख रोग-

चूर्णीफफूंद या भभूतिया रोग- इस रोग का प्रकोप मुख्य रूप से खीरा, लौकी, खरबूज में होता है. रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों की निचली सतह पर गोल-गोल सफेद धब्बे बनते हैं तथा रोग के उग्र होने पर ये धब्बे भूरे हो जाते हैं, पत्तियां सिकुड़ जाती हैं और पत्तियों की ऊपरी सतह पर सफेद चूर्ण बिखरा रहता है, बाद में पत्तियां सड़ जाती हैं आर्द्र व ऊष्ण जलवायु में यह रोग अधिक लगता है रोग नियंत्रण हेतु कवकनाशी-केराथेन 0.5 प्रतिशत अथवा सल्फेक्स 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मृदुरोमिल आसिता

लौकी, खीरा, खरबूज, करेला आदि में सर्वप्रथम पत्तियों के ऊपरी सतह पर पीले धब्बे बनते हैं तथा निचली सतह पर रूई जैसी वृद्धि दिखाई देती है. रोग नियंत्रण हेतु 0.3 प्रतिशत का छिड़काव 10 दिन के अंतर से करना चाहिए.

आल्टरनेरिया झुलसन रोग

आल्टरनेरिया झुलसा रोग की प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे बनते हैं जो बाद में संख्या व आकार में बढ़कर मिलकर पूरी पत्ती को झुलसा देते हैं. नियंत्रण हेतु मेंकोजेब 0.3 प्रतिशत अथवा कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करना चाहिए.

मोजेक- विषाणुजनित इस रोग में पत्तियों पर पीलापन, सिकुड़न, इंटरनोड का छोटा होना प्रदर्शित होता है इस रोग का संचरण माहू नामक कीट द्वारा होता है रोग से बचाव हेतु वाहक कीट का नियंत्रण आवश्यक है. अंतः ऑक्सी मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. या डाईमिथियेट 30 ई.सी. 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें. प्रारंभिक अवस्था में रोगित पत्तियों को तोड़कर नष्ट करना चाहिए.

आलू की देखभाल

खुदाई के समय रखी जाने वाली मुख्य सावधानियाँ-

- खुदाई के समय अधिक नमी न हो. क्योंकि अधिक नमी होने पर कन्द पर मिट्टी चिपकेगी.
- तुरंत खोदे गए आलू को ज्यादा ऊंचाई से ढेर पर न फेंकें.
- खोदे गए आलू को दो घंटे तक इकट्ठा न करें जिससे आलू का छिलका मजबूत हो जाये और मिट्टी कम चिपके.
- आलू को खुदाई पूर्व अंगूठे से रगड़कर देख लें कि छिलका उतर तो नहीं गया. और यदि छिलका कच्चा हो तो कुछ दिन बाद खोदें.
- मैदानी क्षेत्र में बीज के लिए खुदाई फरवरी माह में खुले मौसम में करें क्योंकि अधिक तापमान काला गलन रोग की संभावना बढ़ जाती है.
- आलू की खुदाई आधुनिक मशीन से करने कंद सुरक्षित निकलते हैं जबकि खुरपी व फावड़े से कंद छिल जाते हैं.
- बीज वाली फसल को ऊपर से पौधे को काट देते हैं तथा कटाई के एक सप्ताह पूर्व सिंचाई बंद कर देना चाहिए. जिससे कंद का छिलका नरम न रहे और आलू खराब न हो.
- बीज के लिए बोई गई फसल को मध्य जनवरी तक पत्तियों की कटाई कर दें.
- पिछेती झुलसा की संभावना वाले आलू को अलग कर देना आवश्यक है जिससे अगली वर्ष बुवाई न हो.

आलू का ढेर बनाते समय सावधानियाँ

- ढेर बनाते समय ऊपर से सीधा न फेंकें.
- आलू की खुदाई के बाद 10-15 दिन छिलका मजबूत होने तक ढेर में सड़न पैदा न हो.
- आलू का ढेर छाया में बनायें जिसे पुआल या चटाई से अच्छी तरह ढंक दें.
- आलू के ढेर की ऊंचाई डेढ़ मीटर से अधिक न रखें तथा उसकी चौड़ाई 4-5 मीटर रखें लम्बाई कितनी भी रख सकते हैं.

छटाई (ग्रेडिंग) करते समय सावधानियाँ

- आलू को अच्छी तरह देखकर उसके वजन व आकार के अनुरूप श्रेणियों में बांटने को ही ग्रेडिंग कहते हैं. ऐसा करने से आलू के अच्छे दाम मिलते हैं जिसके लिए वजन निम्नानुसार रखना अच्छा माना जाता है.

(अ) बड़े आलू- जिनका वजन 125 ग्राम से ज्यादा हो.

(ब) मध्यम आलू- जिनका वजन 80 से 125 ग्राम हो.

(स) बीच के आलू- जिनका वजन 40 से 80 ग्राम हो.

(द) छोटे आलू- जिनका वजन 25 से 40 ग्राम हो इनके अलावा जिन कंदों का वजन 25 ग्राम से कम हो बुवाई के लिए उपयोग में लेना चाहिए.

आलू कंदों का उपचार करते समय सावधानियां

- बीज के लिए रखे जाने वाले आलू को साफ पानी से धोना आवश्यक है जिससे मिट्टी न लगी रहे इसके बाद एमिसान रसायन के 0.25ज्ञ घोल में 20 मिनिट तक डुबोयें.
- उपचारित बीज को सुखाकर बोरियों में भरें परंतु ध्यान रखें कि तेज धूप में सुखायें क्योंकि बीज की आंखें प्रभावित हो सकती हैं.
- उपचारित करने वाले आदमी को हाथों में दस्ताने पहनना चाहिए तथा घाव वाले व्यक्ति उपचार का कार्य न करें.
- शीत ग्रह में भंडारण के पूर्व बीज को उपचारित कर ही रखें.
- उपचारित बीज की पैकिंग के बाद धूप में न रखें.
- उपचार दवाई को बच्चों व पशुओं की पहुंच से दूर रखें.
- बीज उपचार रसायन के डिब्बों को खाने वाली वस्तुओं में उपयोग न करें.
- बीजों उपचार में लगे व्यक्ति को बाद में साबुन से हाथ धोना चाहिए.

खुदाई के बाद भंडारण तक पहुंचने और पैकिंग में रखी जाने वाली सावधानियाँ -

- आलू के कंद को अच्छी तरह देख लें कि कम से कम खरोंच हो.
- आलू भंडारण में भेजे जाने वाले बोरों को ऊंचाई से न फेंकें. आलू कट-फट सकते हैं.
- पैकिंग पूर्व आलू को अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए.
- पैकिंग किये जाने वाला स्थान हवादार हो.

भण्डारण में रखी जाने वाली सावधानियां

- अपनी फसल के उत्पादन को देखते हुए पहले शीतग्रह में आरक्षण ले लें जिससे समय पर सुविधानुसार भंडारित हो सकें.
- आलू को शीतग्रह में पहुंचने से पूर्व कटे-फटे आलू अलग होना आवश्यक है.
- आलू बोरी की कसकर सिलाई होना चाहिए अन्यथा ढीली बोरियों में आलू का छिलका उतरने का खतरा रहता है.
- भण्डारण में उपयोग किये गये बोरे नये होने चाहिए.
- आलू की बोरी पर लिखें कि उपचारित की गई है और किस्म का नाम भी अंकित करें.

उपचारित बीज को कभी भी खाने में उपयोग न करें. प्रयास करें कि मार्च के मध्य तक आलू की ग्रेडिंग कर शीत ग्रह में भंडारित कर दें.

संक्षिप्त समाचार

Indian Wells Open

अल्कराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को हराया

कैलिफोर्निया, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके यानिक सिनर के पिछले 19 मैच से चल रहे विजय अभियान पर रोक लगाई। इसके साथ ही उन्होंने इंडियन वेल्स मास्टर्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। अल्कराज ने बारिश से प्रभावित इस मैच में सिनर को 1-6, 6-3, 6-2 से हराया। अल्कराज की इंडियन वेल्स में यह लगातार 11वीं जीत है जिससे उन्होंने विश्व रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान फिर से हासिल कर लिया है।

तीन घंटे तक नहीं हो पाया खेल

इटली के यानिक सिनर ऑस्ट्रेलियन ओपन के विजेता है। जनवरी में उन्होंने मेदवेदेव को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। सेमीफाइनल में तब उन्होंने नोवाक जोकोविच पर जीत हासिल की थी। अल्कराज के खिलाफ सिनर जब पहले सेट में 2-1 से आगे चल रहे थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इसके बाद तीन घंटे से भी अधिक समय तक खेल नहीं हो पाया। इनके बीच यह 8वां मुकाबला था और दोनों ने 4-4 जीत हासिल की है।

Bundesliga

डेब्यू सीजन में हैरी केन ने रचा इतिहास, तोड़ा 60 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। दोनों टीमों के बीच जारी इस मैच में डार्मस्टेड ने 28 मिनट के खेल के बाद बायर्न को चौंका दिया था। टिम स्कार्के ने अपनी टीम को जर्मन चैंपियन के खिलाफ एक अविश्वसनीय उलटफेर की उम्मीद दिला दी थी। हालांकि, केन ने बायर्न को हाफ टाइम से पहले ही बढ़त दिला दी, मुसियाला के 36वें मिनट के गोल में मदद की और फिर अपना एक गोल किया।

हैरी केन ने डेब्यू सीजन में सर्वाधिक गोल करने का 60 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि जमाल मुसियाला ने दो बार गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को डार्मस्टेड में 5-2 से जीत दर्ज की। स्पर्स से आने के बाद से 26 लीग खेलों में 31 गोल के साथ, केन ने जर्मन दिग्गज उवे सीलर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1963-64 में हैम्बर्ग के लिए 30 गोल किए थे।

मुसियाला ने भी टीम की इस जीत में सहायता की, जिससे बायर्न की बुंडेसलीगा खिताब की रक्षा करने की उम्मीदें एक बार फिर जीवित हो गई। बायर्न फिलहाल बायर लीवरकुसेन से सात अंक पीछे हैं। बायर्न के कप्तान मैनुएल नेउर ने कहा, हम इसमें बने हुए हैं। हमने कुछ मौके पाने के लिए कड़ी मेहनत की और हमने उन्हें हासिल कर लिया।

हालांकि, वह डार्मस्टेड के खिलाफ उनकी टीम के खाते में आए दो गोल से निराश दिखे। गोलकीपर ने कहा, हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है।

IPL 2024 में पांच बड़े रिकॉर्ड ब्रेक कर सकते हैं जसप्रीत बुमराह

मलिंगा और हरभजन के कीर्तिमान पर भी नजर

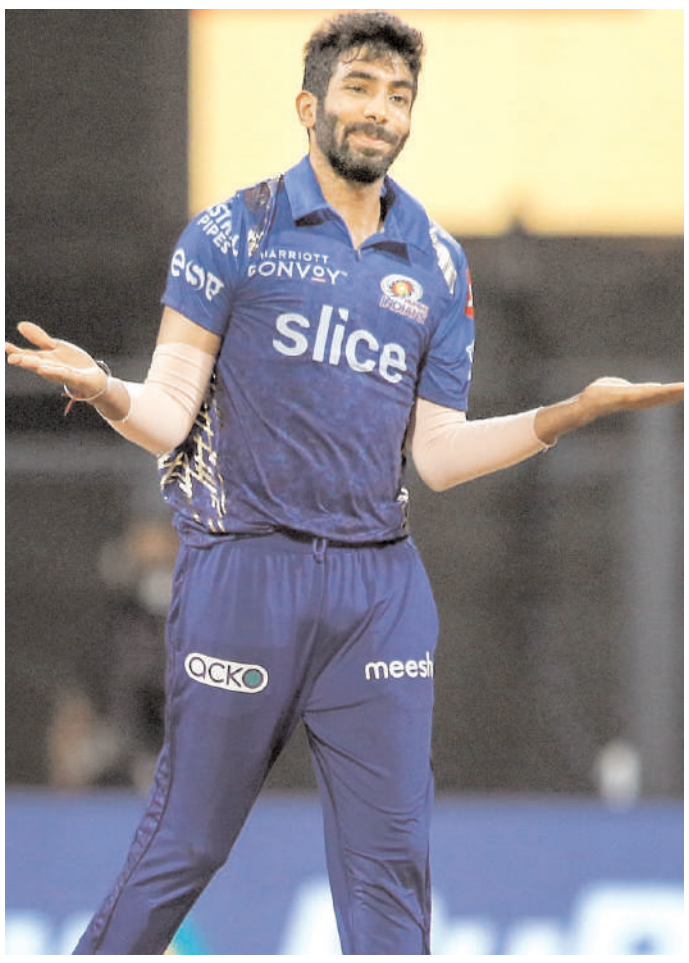

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी सीजन में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए कई बड़े रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर सकते हैं। जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के बहुत ही अहम खिलाड़ी हैं। वह पांचों बार उस टीम का हिस्सा रहे हैं जब मुंबई ने चैंपियन का टाइटल जीता है।

जसप्रीत बुमराह इस फ्रेंचाइजी के साथ 10 से अधिक का सफर तय कर चुके हैं। मुंबई इंडियंस ने 2013 में बुमराह को अपने साथ जोड़ा था। भारतीय क्रिकेट टीम में बुमराह को सफलता मिलने का श्रेय कहीं न कहीं आईपीएल को ही जाता है।

दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग के स्टार गेंदबाज पर एकबार फिर हर किसी की निगाहें टिकी हैं। बुमराह आगामी सीजन में कुछ बड़े रिकॉर्ड्स को तोड़ सकते हैं। आइए एक नजर उन रिकॉर्ड्स पर डालते हैं।

मुंबई के लिए सबसे ज्यादा विकेट ले सकते हैं बुमराह

वर्तमान में यह रिकॉर्ड लसिथ मलिंगा के नाम है। मलिंगा ने 122 आईपीएल मैचों में 19.79 की औसत से 170 विकेट लिए हैं। वहीं बुमराह अभी दूसरे स्थान पर हैं। बुमराह ने 2023 तक 120 मैचों में 145 विकेट लिए हैं। उन्हें मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 26 विकेट की जरूरत है। यह रिकॉर्ड भी अभी लसिथ मलिंगा के नाम है। इस श्रीलंकाई गेंदबाज ने 2011 में 28 विकेट लिए थे। वहीं बुमराह 2020 में 27 विकेट ले चुके हैं। उस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के कगिसो रबाडा ने 30 विकेट लेकर पर्पल जीती थी। बुमराह इस रिकॉर्ड को भी ब्रेक कर सकते हैं।

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह अभी इस मामले में पहले स्थान पर हैं। हरभजन सिंह ने मुंबई के लिए खेलते हुए 136 मैचों में 486.3 ओवर फेंके हैं। लसिथ मलिंगा इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। मलिंगा ने 471.1 ओवर फेंके हैं जबकि जसप्रीत बुमराह इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। बुमराह 2023 तक 457.4 ओवर डाल चुके हैं।

मुंबई के लिए सबसे ज्यादा मेडन ओवर

आईपीएल में सबसे ज्यादा मेडन ओवर (14) पूर्व भारतीय गेंदबाज प्रवीण कुमार के नाम है। दूसरे स्थान पर टीम इंडिया के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (12) हैं। मुंबई की ओर से लसिथ मलिंगा और जसप्रीत बुमराह दोनों ने ही 8-8 मेडन ओवर निकाले हैं।

मुंबई के लिए सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल लेने वाले गेंदबाज

मुंबई इंडियंस की ओर से 6 गेंदबाजों ने आईपीएल में 5 विकेट हॉल लिया है जिनमें से एक बुमराह भी हैं।

बुमराह इस सीजन में अगर एक और 5 विकेट हॉल ले लेते हैं तो वह सबसे अधिक 5 विकेट हॉल लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

पंजाब किंग्स ने लांच की नई जर्सी, प्रीति जिंटा रहीं मौजूद

चंडीगढ़,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें संस्करण से पहले पंजाब किंग्स ने अपनी टीम की नई जर्सी को शनिवार को चंडीगढ़ के एलांते मॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में लांच किया। इस मौके पर पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन के साथ टीम की सह-मालिक प्रीति जिंटा मौजूद रही। इस मौके पर पंजाब किंग्स के कोचिंग स्टाफ के साथ टीम के अन्य सदस्यों भी मौजूद रहे। इस मौके पर ग्लैमर और मनोरंजन का तड़का लगाने के लिए पंजाबी गायक और अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल भी मौजूद रहे।

इस मौके पर पंजाब किंग्स की सह मालिक प्रीति जी जिंटा ने कहा हमने टीम नई जर्सी लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है। नई जर्सी में शामिल नए रंग पंजाब की भावनाओं को दर्शातें। इस नई जर्सी में टीम के खिलाड़ी प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेगी। नई जर्सी के लिए कपड़ा वियतनाम से आयात किया गया है यह हल्का और अधिक स्ट्रेचेबल है।

नई जर्सी से साथ टीम का नेतृत्व करने को तैयार पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने कहा नई जर्सी में में और मेरी पूरी तरह से तैयार है। इस सीजन में हमारे पास एक शानदार टीम है जो आईपीएल के मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देगी।

हार्दिक पांड्या का खुलासा, वर्ल्ड कप 2023 के दौरान मुझे इंजेक्शन पर इंजेक्शन लगे, लेकिन...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 के जरिए प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उनको वर्ल्ड कप 2023 के दौरान एंकल इंजरी हुई थी। इसके कारण वे करीब चार महीने तक क्रिकेट से दूर रहे। हालांकि, मार्च की शुरुआत में वे मुंबई में एक लोकल टी20 टूर्नामेंट में खेले और अफनी फिटनेस साबित की। अब वे आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले हैं, लेकिन इससे पहले उन्होंने बताया है कि वर्ल्ड कप 2023 वापसी करने के लिए उन्होंने इंजेक्शन पर इंजेक्शन लिए, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

हार्दिक पांड्या ने कहा, मैंने मैनेजमेंट से कहा था कि मैं 5 दिन बाद लौटूंगा, फिर मैंने अपने टखने पर तीन जगह इंजेक्शन लगवाए, मुझे अपने टखने से खून निकालना पड़ा, मैं सबकुछ देना चाहता था, फिर जैसे-जैसे मैं जोर लगा रहा था, वैसे-वैसे ये होता गया। 3 महीने की चोट, मैं चलने में सक्षम नहीं था फिर भी मैं आखिरी बार आगे बढ़ने के लिए 10 दिनों तक दर्द निवारक दवाएं ले रहा था, क्योंकि अपने देश के लिए खेलना सबसे बड़ा गौरव है, लेकिन मैं मिस कर गया।

बैटिंग ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को वर्ल्ड कप 2023 के टीम इंडिया के चौथे लीग मैच में चोट का सामना करना पड़ा था। कहा जा रहा था कि कुछ ही मैचों को मिस करने के बाद वे लौटेंगे, लेकिन ऐसा संभव नहीं हुआ। यहां तक कि खुद हार्दिक पांड्या भी यही सोच रहे थे कि वे 10 दिन में ठीक हो जाएंगे, लेकिन ये संभव नहीं हुआ। हार्दिक पांड्या की वजह से टीम कॉम्बिनेशन पर असर पड़ा, लेकिन जैसे ही मोहम्मद शमी की वापसी प्लेइंग इलेवन में हुई तो उन्होंने हार्दिक की कमी को महसूस ही नहीं होने दिया।

10000 मीटर दौड़ में तोड़ दिया 16 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स के ब्रॉन्ज मेडल विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में द टेन प्रतियोगिता में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 16 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल किया. 25 वर्षीय एथलीट गुलवीर सिंह ने अपनी इस स्पर्धा में 27 मिनट, 41.81 सेकंड का समय लेकर सुरेंद्र सिंह के 2008 में बनाए गए 28 मिनट, 02.89 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा.

एशियन गेम्स के ब्रॉन्ज मेडल विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में द टेन प्रतियोगिता में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 16 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल किया. 25 वर्षीय एथलीट गुलवीर सिंह ने अपनी इस स्पर्धा में 27 मिनट, 41.81 सेकंड का समय लेकर सुरेंद्र सिंह के 2008 में बनाए गए 28 मिनट, 02.89 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा. गुलवीर सिंह का यह प्रयास हालांकि ओलंपिक के क्वालिफिकेशन के लिए पर्याप्त नहीं था. पेरिस ओलंपिक खेलों का क्वालिफिकेशन समय 27 मिनट है और इस तरह से यह भारतीय एथलीट 41 सेकंड के अंतर से इसे हासिल करने से चूक गया.

इस स्पर्धा में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी कार्तिक कुमार 28 मिनट, 01.90 सेकंड का समय लेकर नौवें स्थान पर रहे. उनका समय भी सुरेंद्र सिंह के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर है. भारत के एक अन्य एथलीट अविनाश साबले इसी स्पर्धा में अपनी दौड़ पूरी नहीं कर पाए. वह 15वें लैप में 6000 मीटर की दूरी पूरी करने के बाद हट गए थे.

महिलाओं की 10000 मीटर दौड़ में भारत की पारूल चौधरी 32 मिनट, 0 2.08 सेकंड का समय लेकर 20वें स्थान पर रही. वह भी पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन समय 30 मिनट, 40.00 सेकंड को हासिल करने में नाकाम रही.

IPL में स्पेशल दोहरा शतक पूरा कर लेंगे अश्विन, अब सिर्फ 3 मैचों की है जरूरत

नईदिल्ली, एजेंसी। रविचंद्रन अश्विन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हैं। आईपीएल में वह बेहतरीन गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं और काफी किफायती साबित होते हैं। स्पिन फ्रेंडली पिचों पर वह काफी असरदार होते हैं।

अश्विन साल 2009 से ही आईपीएल में खेल रहे हैं। वह आईपीएल में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। अश्विन IPL 2024 में अपने नाम एक खास रिकॉर्ड दर्ज कर सकते हैं। आइए जानते हैं, इसके बारे में।

बना सकते हैं ये रिकॉर्ड

रविचंद्रन अश्विन ने अभी तक आईपीएल में 197 मैच खेले हैं और अगर वह आईपीएल 2024 में तीन मैच खेल लेते हैं तो वह अपने 200 आईपीएल मैच पूरे कर लेंगे। वह आईपीएल के इतिहास में 200 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले कुल 10वें खिलाड़ी बनेंगे। IPL में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड महेंद्र सिंह धोनी के नाम है। उन्होंने 250 मैच खेले हैं।

243 मैचों के साथ रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। दिनेश कार्तिक ने 242 मैच खेले हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं।

अश्विन ने आईपीएल में हासिल किए इतने विकेट

रविचंद्रन अश्विन ने अभी तक आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल के 197 मैचों में 171 विकेट अपने नाम किए हैं। जिसमें 34 रन देकर 4 विकेट हासिल करना उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने आईपीएल में 714 रन भी बनाए हैं।

दो बार जीता है खिताब

रविचंद्रन अश्विन दो बार आईपीएल का खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने IPL 2010 और 2011 की ट्रॉफी चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जीती थी।

पिछले दो सीजन उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला है। अश्विन 37 साल के हो चुके हैं लेकिन फिर भी मैदान पर उनकी फुर्ती मैदान पर देखते ही बनती है। वह कैरम बॉल के महारथी हैं।

साउथ में करीना का डेब्यू

यश के साथ टॉक्सिक में आ सकती हैं नजर

करीना कपूर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द क्रू को लेकर जबरदस्त चर्चा में बनी हुई हैं। इन चर्चाओं के साथ ही करीना को लेकर सिने गलियारों में करीना के साउथ डेब्यू को लेकर भी चर्चा हो रही है। प्राप्त समाचारों के अनुसार करीना साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक डेब्यू करने जा रही हैं। मूल रूप से कन्नड़ भाषा में बनने वाली इस फिल्म को पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित किसा जाएगा। यह कन्नड के साथ ही तमिल, तेलुगू, मलयालम और हिन्दी में प्रदर्शित होगी। करीना ने जूम कॉल पर अपने फैंस से बातचीत की है। इस दौरान करीना ने फिल्म का बिना नाम लिए कहा कि मैं एक बहुत बड़ी साउथ की फिल्म करने जा रही हूं। अब ये पैन इंडिया फिल्म है तो मुझे नहीं पता कि शूटिंग कहां होगी। मैं अपने सभी फैंस को यह बताने के लिए काफी एक्साइटेड हूं कि यह पहली बार है, जब में ऐसा कुछ करूंगी। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से फिल्म में करीना को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही यश ने अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक का ऐलान किया था। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विनर गीतू मोहनदास डायरेक्ट करेंगे। वहीं करीना की अपकमिंग फिल्म क्रू की बात करें तो ये फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। क्रू एक कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें करीना, तब्बू और कृति अपनी कॉमेडी से लोगों को गुदगुदाती नजर आएंगी। फिल्म में दिलजीत दोसांझ भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म में ये तीनों हसीनाएं एयर होस्टेसेज के किरदार में हैं, जो अपनी जिंदगी से काफी परेशान हैं। ये तीनों अपनी लाइफ में कुछ नया और अलग करना चाहती हैं लेकिन वह बार बार उसी सिचुएशन में आ जाती हैं जिससे वह भाग रही हैं।

वरुण ने फिर शुरू की बेबी जॉन की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म बेबी जॉन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने फिल्म की शूटिंग से ब्रेक लिया था। वहीं अब उन्होंने फैंस के साथ खुशखबरी साझा की है। दरअसल, उन्होंने फिर से बेबी जॉन की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता वरुण धवन ने आज रविवार, 17 मार्च को अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म बेबी जॉन की शूटिंग फिर से शुरू कर दी।

उन्होंने सेट से अपनी मस्कुलर बॉडी को फ्लॉन्ट करते हुए एक तस्वीर साझा की। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वरुण ने अपने फैंस के साथ यह खबर साझा करते हुए लिखा कि वह बेबी जॉन के सेट पर वापस आ गए हैं। तस्वीर में वरुण को कैमरे की ओर पीठ करते हुए देखा गया। उन्होंने अपनी मस्कुलर बॉडी को फ्लॉन्ट की। तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, काम पर वापसी, बेबी जॉन। इससे पहले वरुण धवन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। उन्होंने फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा था, कसकर पकड़ें, यात्रा जंगली होने वाली है

। बेबी जॉन 31 मई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ रही है। पोस्टर में वरुण काले रंग की बनियान पहने, लंबे बाल और हाथ में चाकू पकड़े हुए हैं। वहीं, फिल्म के पोस्टर पर लिखा था, जब किसी जानवर के पास अपने क्रोध के प्रति जवाबदेह शक्ति हो तो वह मनुष्य से अधिक क्रूर नहीं होता।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के कनॉट प्लेस में डोसा खाने पहुंची महिला, चिपके मिले 8 कॉकरोच

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला कैफे में डोसा खाने गई तो उसे कुछ ऐसी जैसी चीज का सामना करना पड़ा जिसकी उसने शायद कल्पना भी नहीं की होगी। ये महिला दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित एक जाने माने कैफे में डोसा खाने गई थी। लेकिन जब वो डोसा उसे सर्व किया गया तो उसे देखकर उसके होश उड़ गए। उस डोसे में एक दो नहीं बल्कि 8 छोटे-छोटे कॉकरोच थे। इशानी नाम की यह महिला उस कैफे में अपने एक दोस्त के साथ गई थी। मामला कनॉट प्लेस में स्थित मद्रास कॉफी हाउस का है। उसने जैसे ही डोसे का एक बाइट लिया, उसे उसमें कुछ काले-काले धब्बे नजर आए। उसने उन कालों धब्बों को गौर से देखा तो दंग रह गई। वो काले धब्बे नहीं बल्कि कॉकरोच थे। उसने पूरे डोसे को गौर से देखा तो उसमें 8 छोटे-छोटे कॉकरोच दिखाई दिए। ईशानी ने तुरंत अपने दोस्त से डोसे का वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए कहा। दोस्त का वीडिया पूरा भी नहीं हुआ था कि कैफे के स्टाफ ने उस डोसे की प्लेट को वहां से हटा दी। इसके बाद उन्होंने इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया और कुछ मीडिया आउटलेट्स को भी दिया। यकुछ ही समय में ये वीडियो वायरल हो गया और लोगों ने जमकर कैफे पर नाराजगी जाहिर की। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ÷मुझे समझ नहीं आता कि जहां हर घंटे 30 ग्राहक आते हैं, इतना प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट इतना लापरवाह कैसे हो सकता है। उनकी रसोई आंखों के लिए एक सेब थी। इनकी रसोई से बदबू आ रही थी। आधी रसोई में तो छत ही नहीं थी। मैंने जो देखा मुझे उससे घिन्न आ रही है। ईशानी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करने के साथ ही पुलिस में भी मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने उन्हें मामले की गंभीरता से जांच करने का आश्वासन दिया है।

मिठाई के डिब्बे में भेजी बंदूक की गोलियां, दिल्ली के बिजनेसमैन के उड़े होश

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के एक बिजनेसमैन के घर के बाहर किसी ने मिठाई का डिब्बा रख दिया। व्यवसायी ने जब डिब्बा खोला तब उसके होश उड़ गए। डिब्बे में दो जिंदा कारतूस और एक लेटर रखा हुआ था। पत्र में उसे धमकी दी गई थी। यह दक्षिण पश्चिम दिल्ली के वसंत विहार इलाके की घटना है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 506 (आपराधिक धमकी) और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को व्यवसायी को घर के बाहर मिठाई का डिब्बा मिला। डिब्बे में बंदूक की दो गोलियां थी और एक पत्र था जिस पर उसे धमकी दी गई थी। उस लेटर में व्यवसायी पर कुछ निजी कमेंट भी किए गए थे। इस घटना के बाद व्यवसायी ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने आगे बताया कि पुलिस को यह संदेह है कि धमकी के पीछे कोई निजी दुश्मनी है। पुलिस सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है। एक दूसरे अधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद व्यवसायी के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) रोहित मीना ने बताया कि, कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और टीमें कई सुरागों पर काम कर रही हैं। दिल्ली की एक अदालत ने अफगानिस्तान के एक नागरिक को हत्या के प्रयास और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में रुकने के मामले में दोषी ठहराया है। अब्दुल के खिलाफ लाजपत नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज है। अभियोजन पक्ष के अनुसार दो जनवरी 2019 को सेंट्रल मार्केट के पास अफगानी चौक पर पैसे को लेकर हुए विवाद के बाद अखुंदजादा ने ठेके वाले रामप्रीत यादव और उसके भाई राजेश पर चाकू से वार कर दिया था। इससे रामप्रीत की छाती और पेट पर काफी चोटें आईं।

चुनाव में पार्टियों के सामने कई चुनौतियां, राजनीतिक दलों ने बाजी मारने के लिए बनाई योजनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने शनिवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ औपचारिक रूप से 2024 के आमचुनाव की शुरुआत कर दी। राजनीतिक विश्लेषक भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में देख रहे हैं।

भाजपा ने अकेले दम पर 370 लोकसभा सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। विपक्ष भी भाजपा को मात देने के लिए अपनी एकजुटता बढ़ा रहा है। आइए जानते हैं कि प्रमुख राष्ट्रीय दलों की क्या ताकत और कमजोरी है और उनके समक्ष किस प्रकार की चुनौतियां हैं।

भाजपा के पास पीएम मोदी के रूप में एक ऐसा नेता व चेहरा है, जो पूरे विपक्ष पर भारी पड़ता है। 2014 के बाद से भाजपा ने मजबूत संगठनात्मक ढांचा बनाया। इसकी निगरानी राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा की जाती है। विपक्षी नेता भी भाजपा के दबदबे को स्वीकार करते

हैं, वहां भी जहां पर कि भाजपा सत्ता में नहीं है। भाजपा की एक और ताकत चुनावी जंग की पिच तैयार करने में उसका निर्विवाद प्रभुत्व है। खासकर लोकसभा चुनाव में । कई दिग्गज नेताओं की जगह नए चेहरों पर भरोसा किया है। अपने संसदीय क्षेत्रों में पुराने चेहरों की मजबूत पकड़ के मुकाबले नए चेहरों को स्थान बनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और लाभार्थी एजेंडा देश के अधिकांश हिस्सों में लोकप्रिय रहा है। दक्षिण और पूर्वी भारत में इसकी परीक्षा होगी। चुनौतियां राजनीतिक दलों को फंडिंग करने से जुड़ी चुनावी बांड योजना को रद करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले और दानदाताओं के बारे में रिपोर्ट सार्वजनिक होने से विपक्ष को मुद्दा मिल गया है। सबसे पुरानी पार्टी है। जाति आधारित जनगणना को मुद्दा बना उसने ओबीसी वर्ग को और रिझाया है। कांग्रेस ने गरीबों, पीड़ितों, दलितों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को न्याय का आश्वासन दिया है। इनके लिए पांच गारंटी दी हैं। इसका फायदा मिलेगा। महंगाई, मूल्य वृद्धि, बेरोजगारी और सांप्रदायिकता को पार्टी मुद्दा बना रही है। दमदार नेतृत्व का अभाव है। गांधी परिवार ही सबकुछ। लगातार हार के बावजूद आत्ममंथन नहीं। इससे कई दमदार नेता पार्टी छोड़ गए। अयोध्या जी में प्रभु श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रण मिलने के बावजूद न जाने और अनुच्छेद 370 हटाने के विरोध से गलत संदेश गया। प्रधानमंत्री मोदी के बढ़ते कद से कांग्रेस को भारी नुकसान हो सकता है। क्षेत्रीय दलों की पकड़ राज्यों में भाजपा विरोधी वोटों को एकत्र करने का उसका गणित बिगाड़ रही है। कांग्रेस के लिए एक बड़ा खतरा नेताओं का लगातार पलायन, आंतरिक कलह और गांधी परिवार के हाथों कमान होना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को प्राक्सी के रूप में देखा जाता है। आम आदमी पार्टी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रमुख चेहरा हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य, मुफ्त बिजली, पानी और अन्य योजनाओं से दिल्ली व पंजाब में भारी चुनावी सफलता मिली है।

मनपसंद सब्जी नहीं बनाने पर लिव-इन पार्टनर को बेल्ट से पीटा, बसोली मारकर ले ली जान

नई दिल्ली, एजेंसी। तीन दिन पहले महिला के ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने सब्जी नहीं बनाने को लेकर हुए झगड़े के बाद इस वारदात को अंजाम दिया था। महिला व आरोपी दोनों गुरुग्राम में तीन दिन पहले आए थे, जहां अंडे की सब्जी बनाने से मना करने पर महिला के साथ राज मिस्त्री के औजार बसोली से चोट मारी तो उसकी मौत हो गई, इसके अलावा बेल्ट से भी पीटा था। पुलिस ने इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर लिया था।

बता दें कि 13 मार्च को पालम विहार थाना पुलिस को चौमा गांव के एक निर्माणाधीन मकान में महिला के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। जहां पर एक महिला मृत अवस्था में मिली, जिसके चेहरे पर चोट के निशान थे।पुलिस टीम द्वारा पुलिस की सीन-ऑफ-क्राइम, एफएसएल व फिंगरप्रिंट की टीमों को घटनास्थल पर बुलवाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटनास्थल पर निर्माणाधीन बिल्डिंग के केयर टेकर ने पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था।

पुलिस ने आरोपी को दिल्ली के सराय काले खां से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान लल्लन यादव के रूप में हुई। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि छह साल पहले सांप के काट लेने के कारण इसकी पत्नी की मौत हो जाने के बाद यह अपने घर वालों से लड़ाई-झगड़ा करके दिल्ली आ गया था। करीब सात महीने पहले दिल्ली में इसकी मुलाकात एक कूड़ा चुगने वाली 32 वर्षीय अंजलि से हुई। इसके बाद यह दोनों साथ पति-पत्नी की तरह साथ में रहने लगे। ये दोनों मजदूरी का काम करते थे।

कालकाजी मंदिर में बिना अनुमति हुआ था जागरण, हाईकोर्ट को सौंपी दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के माता कालकाजी मंदिर परिसर में जागरण के दौरान हुए हादसे को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में पुलिस की तरफ से जांच रिपोर्ट दाखिल की गई है। दिल्ली पुलिस की तरफ से हाईकोर्ट में दाखिल रिपोर्ट में बताया गया है कि माता के जागरण के आयोजन को लेकर बड़ी खामियां सामने आई हैं। इस जागरण के लिए अनुमति नहीं ली गई थी। महंत परिसर में आयोजित इस जागरण के लिए महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत की सहमति थी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि 17 लोग जख्मी हुए थे। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह की बेंच के समक्ष दायर रिपोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा कि मंहत परिसर में 27-28 जनवरी 2024 को आयोजित माता के जागरण में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन के लिए तमाम तरह की व्यवस्थाएं की गईं, लेकिन इन व्यवस्थाओं के तहत आवश्यक अनुमतियों को नजरअंदाज किया गया। सेवादार मित्र मंडल के अध्यक्ष अनुज मित्तल व सदस्य सतीश कुमार ने किया था। जांच रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि पुलिस की तरफ से एसकेएसएसएमएम को जागरण की अनुमति प्राथमिक स्तर पर ही नहीं दी गई थी। मामले में मंहत सुरेंद्र नाथ की तरफ से हलफनामा दाखिल कर कहा गया है कि दिल्ली हाईकोर्ट के 27 सितंबर 2021 के आदेश के अनुसार, माता कालकाजी मंदिर परिसर का नियंत्रण व प्रबंधन न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासक को सौंप दिया ।

दिल्ली में चुनावी घोषणा से सजा सियासी मैदान, मतदान के लिए 2 माह लंबा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा के बाद राजधानी दिल्ली में भी सियासी मैदान सज गया है। एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के उम्मीदवार ताल ठोकेंगे। चुनाव मैदान में उतर चुके प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों को अगले 69 दिन तक जनता के बीच पसीना बहाना होगा। राजधानी दिल्ली में वर्ष 2019 में 12 मई को मतदान हुआ था, लेकिन इस बार छठे चरण में 25 मई को वोट डाले जाएंगे। ऐसे में मतदाताओं के बीच माहौल को बनाए रखने की चुनौती रहेगी।

राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को ज्यादा कार्यक्रम करने पड़ेंगे। खासकर तपती गर्मी में चुनावी माहौल को बनाए रखने की चुनौती रहेगी। राजनीतिक दल भी मान रहे हैं कि दिल्ली में छठे चरण के अंदर चुनाव होने का साफ मतलब है कि प्रत्याशियों के साथ कार्यकर्ताओं की जनता के

बीच परेड करने की अवधि बढ़ेगी। ऊपर से प्रत्याशियों और पार्टियों के खर्चे भी बढ़ेंगे। ऊपर से गर्मी के बीच जनसभाओं में लोगों को जुटाने की भी चुनौती रहेगी।

भाजपा की तरफ से कहा भी गया है कि हम पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बनाए रखेंगे और चुनाव अभियान को निरंतर बनाए रखने के लिए अपनी चुनावी रणनीति की भी समीक्षा करेंगे। दूसरे दलों के सामने भी यह चुनौती रहेगी। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा और आप पहले से चुनावी मोड में काम कर रही हैं। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद अब दिल्ली की सातों सीटों पर भी प्रचार शुरू हो जाएगा। इसको लेकर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस के पार्षद को भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व जिम्मेदारी सौंपेगा। साथ ही, सभी दलों के पार्षदों में अपनी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के बीच प्रसार करने को लेकर भी चुनौती होगी। शनिवार को महापौर और आम आदमी पार्टी की पूर्वी पटेल नगर से पार्षद डॉ. शैली ओबरॉय ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता करते हुए कई कामों की घोषणा की। उन्होंने भाजपा के निगम में 15 साल के शासन पर निशाना भी साधा। इस पर निगम में नेता विपक्ष और भाजपा के मुखर्जी नगर के पार्षद राजा इकबाल सिंह ने पलटवार किया। राजा इकबाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले पूर्ववर्ती निगमों को फंड नहीं दिया और अब एक साल से सत्ता में आने के बाद निगम में विकास के काम रोक दिए हैं। लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों की हार देखते हुए आम आदमी पार्टी विचलित हो गई है। जनता का कोई समर्थन उन्हें नहीं मिल रहा है। इतना ही नहीं जनता टूटी सड़कों, गंदे पानी और पार्कों की बदहाल स्थिति से आम आदमी पार्टी सरकार से नाराज है। निगम में दस गारंटी चुनाव से पहले दी थी।

अमेरिका ने रूस से बैलिस्टिक मिसाइल सौदा करने पर ईरान को नए प्रतिबंध की दी चेतावनी

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह यूक्रेन के साथ युद्ध के लिए रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें प्रदान करने की अपनी योजना के साथ आगे बढ़ता है तो उसे नए आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। बाइडन प्रशासन कई महीनों से इस बात पर चिंता जता रहा है कि रूस ईरान से कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों की मांग कर रहा है क्योंकि मॉस्को अपनी घटती हुई सैन्य साजो-सामान की आपूर्ति को फिर से भरने के लिए संघर्ष कर रहा है। अमेरिका ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि यह मिसाइलें ईरान की ओर से रूस को प्रदान की जा चुकी हैं। लेकिन, अमेरिकी अधिकारी ईरानी अधिकारियों की टिप्पणियों से चिंतित हैं, जिससे पता चलता है कि बैलिस्टिक मिसाइलों को लेकर यह समझौता होना तय है। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक जी-7 समूह के सदस्य देश ईरान की सरकारी विमान कंपनी ईरान एयर को यूरोप के लिए उड़ान भरने से प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है।

रूस के राष्ट्रपति पद के मतदान के अंतिम दिन यूक्रेन का बड़ा ड्रोन अटैक, मॉस्को पर किए लगातार हमले

मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान किए गए और माना जा रहा है कि अगले 6 सालों के लिए व्लादिमीर पुतिन ही देश में शासन करेंगे। चुनावी माहौल के बीच यूक्रेन ने रविवार को मॉस्को पर लगातार ड्रोन हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रात भर में 35 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराने की सूचना दी, जिनमें मॉस्को क्षेत्र में चार ड्रोन शामिल थे। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि कोई हताहत या क्षति नहीं हुई है। दो अन्य ड्रोन मॉस्को के इस क्षेत्र में दागे गए रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अन्य दो ड्रोन मॉस्को के ठीक दक्षिण में कलुगा क्षेत्र और मॉस्को के उत्तर-पूर्व में यारोस्लाव क्षेत्र में दागे गए। यारोस्लाव क्षेत्र पर हमले, यूक्रेन द्वारा अब तक किए गए सबसे दूर के हमलों में से कुछ थे। यह इलाका यूक्रेनी सीमा से लगभग 800 किलोमीटर (500 मील) दूर स्थित है। सुरक्षा परिषद की शुक्रवार की बैठक के दौरान उन्होंने प्रतिज्ञा की दुश्मन के उन हमलों को न तो दंडित किया गया है और न ही छोड़ा जाएगा। मुझे यकीन है कि हमारे लोग, रूस के लोग, और भी

अधिक एकजुटता के साथ इसका जवाब देंगे।रूसी सेनाओं ने अपनी मारक क्षमता पर भरोसा करते हुए, अग्रिम पंक्ति में कुछ धीमी और वृद्धिशील बढ़त हासिल की है, जबकि यूक्रेन ने रूस के अंदर अधिक ड्रोन हमलों और सीमा पार छापे के साथ मुकाबला किया है। शनिवार को, नियमित हमलों का सामना करने वाले रूसी सीमावर्ती शहर बेलगोरोड में यूक्रेनी गोलाबारी में दो लोग मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। रूसी सेना ने यह भी दावा किया कि उसने शनिवार को यूक्रेनी तोड़फोड़ और टोही समूहों द्वारा सीमा पार घुसपैठ के एक और प्रयास को विफल कर दिया। रूसी स्वयंसेवी कोर -जिसमें यूक्रेनी सेना के साथ लड़ने वाले रूसी भी शामिल हैं। ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया जिसमें 25 रूसी सैनिकों को पकड़ने का आरोप लगाया गया। दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। युद्ध शुरू होने के बाद से क्षेत्र में सीमा पार हमले छिटपुट रूप से हुए हैं।

इटली बोला-यूक्रेन में नाटो सैनिक भेजे तो विश्व युद्ध होगा

ऐसा करना गलत; फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा था- यूक्रेन में ग्राउंड ऑपरेशन चलाने की जरूरत

रोम, एजेंसी। इटली ने चेतावनी दी है कि अगर नाटो ने अपने सैनिक यूक्रेन भेजे तो तीसरा विश्व युद्ध छिड़ जाएगा। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, मुझे नहीं लगता है कि नाटो को अपने यूक्रेन भेजने चाहिए। अगर ऐसा हुआ तो ये बड़ी गलती होगी। हमें यूक्रेन की इतनी मदद करनी चाहिए जिससे वो अपनी रक्षा कर सके। यूक्रेन में घुसकर रूस के खिलाफ लड़ने का मतलब तीसरे विश्व युद्ध को न्यौता देना होगा। इटली के विदेश मंत्री का कमेंट उस समय आया है जब फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूक्रेन में सैनिक उतारने की बात कही थी। तजानी ने ये भी कहा कि हमारी सेना जो कर रही हैं वो बेहतर है। वो लाल सागर में हमारे

जहाज बचा रही हैं। उन्होंने यूक्रेन में फौज भेजने से साफ इनकार कर दिया।

पिछले महीने फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूक्रेन में सेना उतारने की संभावनाओं को खारिज करने से इनकार कर दिया था। शुक्रवार को उन्होंने फिर से ये बात दोहराई। उन्होंने एक फ्रांसीसी अखबार ला पेरिसियन को कहा मैं भी नहीं चाहता की ऐसा हो। मैं इसकी पहल भी नहीं करूंगा पर हमें रूसी सेना को खदेड़ने के लिए यूक्रेन में ग्राउंड ऑपरेशन चलाने की जरूरत है चाहे वो जैसे भी हों।

उन्होंने कहा था कि फ्रांस में इतनी (जंग में उतरने) की ताकत है, वो ऐसा कर सकता है। शुक्रवार को मैक्रों ने जर्मनी और पोलैंड के नेताओं से मुलाकात भी की थी। इसके बाद उन्होंने कहा था कि हमारी तिकड़ी रूस को कभी जीतने नहीं देगी। हम अंत तक यूक्रेन के लोगों के साथ खड़े हैं।

जंग के शुरुआती दौर में मैक्रों रूस के खिलाफ कठोर कदम उठाकर युद्ध का दायरा बढ़ाने के खिलाफ थे। वो हर मंच पर जाकर ये अपील करते थे कि नाटो देश रूस को अलग-थलग न करें। हालांकि, हाल ही के दिनों में उनका बिल्कुल पलट गया है। मैक्रों अब कहते हैं कि यूक्रेन को मदद देना कम करने का मतलब रूस के सामने घुटने टेक देना है। मैक्रों ने पहले कहा था कि पुतिन से बातचीत के माध्यम बंद नहीं किए जाने चाहिए। उन्होंने अब एक इंटरव्यू में कहा कि रूस के जंग जीतने से पूरा यूरोप खतरे में पड़ेगा। उन्होंने यूक्रेन में सैनिक उतारने के बयान का बचाव करते हुए कहा 2 साल पहले हमने कहा था कि टैंक नहीं भेजेंगे पर हमने भेजे। हमने कहा था कि मिसाइलें नहीं भेजेंगे पर हमने भेजी।

मैक्रों ने खुलकर ये बात स्वीकार की है कि जंग पर उनकी सोच बदली है। उन्होंने इसकी वजह नवलनी की मौत और रूस की तरफ सायबर अटैक बताए हैं। उन्होंने कहा रूस ऐसी ताकत बन गया है जो यहीं नहीं रुकेगा। अगर हमने यूक्रेन को अकेला छोड़ा तो रूस मोलदोव, रोमानिया और पोलैंड को धमकाएगा। इस बारे में रूस मामलों के एक्सपर्ट और जेएनयू प्रोफेसर राजन कहते हैं, युद्ध की शुरुआत में पुतिन चाहते थे कि वह कीव पर कब्जा करके जेलेंस्की को सत्ता से बाहर कर दें और यूक्रेन के लिए अपनी मर्जी का कोई शासक नियुक्त कर दें, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अब वह उन इलाकों को रूस में मिला रहे हैं जहां रूस समर्थक आबादी ज्यादा है।

सऊदी प्रिंस ने कंगाल पाकिस्तान को दिया मदद का भरोसा

इस्लामाबाद , एजेंसी। सऊदी अरब के युवराज और वस्तुतः शासक मोहम्मद बिन सलमान ने शनिवार को पाकिस्तान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भरोसा दिया कि वह आर्थिक संकट से गुजर रहे उनके देश को पूरा समर्थन देंगे। सऊदी अरब ने हाल के वर्षों में पाकिस्तान के कम विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए बड़ी मात्रा में राशि पाकिस्तान के बैंक में जमा कराया और नकदी संकट से जूझ रहे देश की मदद की।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज को सऊदी अरब के युवराज और प्रधानमंत्री ने टेलीफोन पर बातचीत कर बधाई दी है। बयान में कहा गया, '' सऊदी युवराज ने प्रधानमंत्री को उनकी उदार भावनाओं के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच घनिष्ठ भाईचारे के रिश्ते हैं और उन्होंने पाकिस्तान के प्रति सऊदी अरब के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को सऊदी अरब के साथ अपने ऐतिहासिक, गहरे और भाईचारे वाले संबंधों पर गर्व है और दोनों देश हर सुख-दुख में हमेशा एक साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए सऊदी अरब की सराहना की।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।